CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-02
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया
जिस व्यक्ति के पास कल्पना नहीं है
उसके पास पंख नहीं हैं.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 08 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

युवक को चाकू मारने के बाद रतलाम के गांव में भड़की हिंसा

गुस्साए लोगों ने दुकानों में लगाई आग, पुलिस फोर्स तैनात, तनाव बरकरार

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले के कमेड गांव में सोमवार सुबह एक युवक पर चाकू से हुए हमले के बाद गांव में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। आक्रोशित लोगों ने कुछ दुकानों में आग लगा दी। घटना की सूचना पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और मामले को शांत कराया। फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार कमेड के निवासी एक व्यक्ति ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर धनेसरा निवासी युवक पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। घटना सुबह उस वक्त हुई जब युवक कमठान बम्बोरी मार्ग से कहीं जा रहा था, तभी उस पर यह हमला किया गया। हमले की खबर फैलते ही लोग आक्रोशित हो उठे और उन्होंने कुछ दुकानों में आग लगा दी।

विवाद की जानकारी मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। एएसपी खाखा ने आक्रोशित ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हे शान्त किया और दोषियों के विरुद्ध कडी कार्रवाई का आश्वासन दिया। घटना की सूचना मिलते ही एडीएम शालिनी श्रीवास्तव, एसडीएम विवेक सोनकर सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है, लेकिन तनाव व्याप्त है। पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

मामूली बात पर विवाद बताया जा रहा है कि मामूली बात पर विवाद शुरू हुआ था। जो इतना बढ़ गया कि एक शख्स ने साथियों के साथ मिलकर युवक पर चाकू से हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पथराव भी किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू किया। फिलहाल भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हैं। गांव को छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

फायर लॉरी भेज कर बुझाई आग सूचना मिलते ही बिलपांक थाना प्रभारी अयूब खान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। लोगों को समझाने की कोशिश की। सीनियर अधिकारियों को घटनाक्रम की जानकारी दी। गुमटी में आग लगने के बाद रतलाम से फायर लॉरी भेज कर आग बुझाई गई। एएसपी राकेश खाखा, सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, एससडीओपी किशोर पाटनवाला समेत समेत प्रशासनिक अधिकारी भी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। सभी अधिकारी गांव में मौजूद रहे।

शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील एसडीओपी किशोर पटनवाला के अनुसार, आरोपी की तलाश जारी है। वहीं, हालात बिगाड़ने वालों को भी चिन्हित किया जा रहा है। वहीं, स्थानीय लोगों से भी शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की, हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा

ओबीसी को 27% आरक्षण का रास्ता साफ

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण मिलने का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण लागू करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यूथ फॉर इक्वलिटी की ओर से दायर याचिका का निपटारा कर दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कर दिया है कि ओबीसी आरक्षण को लेकर कोई बाधा नहीं है। ऐसे में प्रदेश में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो गया है। याचिका में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने के राज्य के फैसले को चुनौती दी गई थी। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद सभी 75 याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किया गया था। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने पिछले दिनों ओबीसी आरक्षण के खिलाफ लगी याचिका को तर्कहीन मानते हुए खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट ने 2021 में दायर हुई इसी जनहित याचिका पर 2023 में अहम अंतरिम आदेश के जरिए 87:13 का फॉर्मूला अभिनिर्धारित किया था। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया था कि 2011 की जनगणना के अनुसार मध्यप्रदेश में ओबीसी की आबादी 50.9फीसदी है, जबकि अनुसूचित जनजाति की 21.14 फीसदी और मुस्लिम समुदाय की 3.7 फीसदी जनसंख्या है। इसके बावजूद राज्य सरकार ने ओबीसी वर्ग को केवल 14 फीसदी आरक्षण प्रदान किया गया है। जबकि एससी को 16 फीसदी और एसटी को 20 फीसदी आरक्षण दिया गया है। मप्र सरकार की तरफ से भी हाईकोर्ट में भी यही तर्क दिया गया था कि ओबीसी आरक्षण को लागू करने में कोई दिक्कत नहीं है। दरअसल, यूथ फॉर इक्वेलिटीसंगठन की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका दायर की गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मप्र हाईकोर्ट को आदेश को सही माना और यह कहते हुए याचिका को खारिज कर दिया कि 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण लागू होने में मध्यप्रदेश में कोई न्यायिक अड़चन नहीं हैं। ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य और वकील धर्मेंद्र सिंह कुशवाहा की तरफ से यह बताया गया था कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैथ और न्यायाधीश विवेक जैन की संयुक्त बेंच ने प्रदेश में 27 प्रतिशत आरक्षण ओबीसी को देने के फैसले का पालन करने का आदेश दिया था। स्पष्ट था कि ओबीसी को इस आरक्षण में कोई रोक नहीं रहेगी। यही वजह है कि पहले यह याचिका हाईकोर्ट की तरफ से खारिज की गई थी, जबकि अब यह याचिका सप्रीम कोर्ट की तरफ से भी खारिज कर दी गई है। यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन के वकील राहुल प्रताप के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन को कहा कि अगर आपको आपत्ति है तो एक्ट को चैलेंज कीजिए। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि पहले ही हाईकोर्ट में एक्ट को चुनौती देने वाली याचिका लगा रखी है। इस पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि हम आपकी याचिका को यहां बुलवाएंगे। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट नंबर 8 में न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने इस एसएलपी पर सुनवाई की। ओबीसी महासभा की ओर से एडवोकेट वरुण ठाकुर एवं एडवोकेट रामकरण के माध्यम से न्यायालय के सामने पक्ष रखा गया।

कमलनाथ सरकार ने लिया था फैसला मध्यप्रदेश में तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने साल 2019 में ओबीसी आरक्षण को 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी कर दिया था। विधानसभा में इससे संबंधित विधेयक पारित कर दिया गया। 2 सितंबर 2021 को सामान्य प्रशासन विभाग ने ओबीसी को भर्ती में 27 फीसदी आरक्षण देने का सर्कुलर जारी किया था। मगर, कमलनाथ सरकार के इस आदेश को चुनौती देने के लिए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई थी। इसके खिलाफ यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन हाईकोर्ट गया। 4 अगस्त 2023 को हाईकोर्ट ने सरकार के सर्कुलर पर रोक लगा दी। इस बीच महाधिवक्ता ने अभिमत दिया कि सरकार 87:13 के फॉर्मूले के आधार पर भर्ती प्रक्रिया करें। 28 जनवरी 2025 को हाईकोर्ट ने यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन की याचिका निरस्त कर दी। संगठन इसी फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (विशेष अनुमति याचिका) दाखिल की थी।

सुनवाई में नहीं पहुंचे सरकार के वकील उच्चतम न्यायालय की कोर्ट नंबर-8 में सोमवार को इस मामले की सुनवाई हुई, लेकिन राज्य सरकार की ओर से कोई अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुआ। ओबीसी संगठनों ने इस पर सवाल उठाए हैं। कहा है कि लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़े इस मुद्दे पर सरकारी वकीलों का अनुपस्थित रहना शक के दायरे में है। एडवोकेट धर्मेंद्र कुशवाहा ने कहा, सरकार 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण लटकाए रखना चाहती है। इसके नित नए बहाने तलाशे जाते हैं। जबलपुर हाईकोर्ट में ओबीसी आरक्षण की पैरवी करने वाले अधिवक्ता रामेश्वर ठाकुर ने कहा, मध्य प्रदेश सरकार दिल्ली में सैकड़ों वकील नियुक्त कर रखे हैं। हर माह करोड़ों का भुगतान भी करती है, लेकिन सामाजिक न्याय के संवेदनशील विषय पर वह नदारद हो जाते हैं। स्पष्ट है कि ओबीसी आरक्षण का मुद्दा सरकार की प्राथमिकता में ही नहीं।

कमलनाथ ने भाजपा सरकार पर लगाया आरोप पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि उन्होंने उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में 2019 में प्रदेश के ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून बनाया था। उसके बाद से बनी भाजपा की सरकार असंवैधानिक रूप से षड्यंत्र रचकर लगातार ओबीसी को आरक्षण से वंचित कर रही है। पहले मध्यप्रदेश हाईकोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट कर दिया है कि ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने वाले कानून पर कोई रोक नहीं है। भारतीय जनता पार्टी को अब मध्यप्रदेश के ओबीसी समाज से माफी मांगनी चाहिए और तत्काल प्रभाव से प्रदेश में ओबीसी को 27% आरक्षण देना चाहिए।

नगर निगम के सभी मेयर को सुरक्षा के लिए मिलेंगे गनमैन

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि प्रदेश के 16 नगर निगमों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में राज्य सरकार की और से हरसंभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि निकायों को और अधिक अधिकार देकर सशक्त बनाया जायेगा। नगर निगम महापौरों को सुरक्षा की दृष्टि से गनमैन दिलाने के लिए गृह विभाग को पत्र लिखा जाएगा। उन्होंने नगर निगम आयुक्तों को विकास कार्यों में तेजी लाने के लिये महापौर से बेहतर समन्वय रखने के निर्देश भी दिये। मंत्री विजयवर्गीय सोमवार को मंत्रालय में प्रदेश के नगर निगम महापौर और आयुक्तों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्य रूप से इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, भोपाल महापौर मालती राय और नगरीय प्रशासन विकास आयुक्त सिबि चक्रवर्ती भी मौजूद थे। बैठक में 19 जुलाई, 2024 को नगरीय विकास मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिये गये निर्देशों के पालन की समीक्षा की गयी। बैठक में मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि अवैध कॉलोनी को वैधता देते समय इस बात का ख्याल रखा जाये कि इससे नगर के विकास में रुकावट न आये। बैठक में सौर ऊर्जा के माध्यम से नगरीय निकायों के बिजली बिलों में कमी लाने पर चर्चा की गयी। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रत्येक नगर निगम इसके लिये कार्य-योजना तैयार कर ले। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि अनेक निविदाकार कम दर पर निर्माण कार्य की निविदा प्राप्त कर लेते हैं, लेकिन काम की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देते हैं। ऐसे निविदाकारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की आवश्यकता है। बैठक में कायाकल्प योजना के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा की गयी। यह भी जानकारी दी गयी कि योजना में विधायकों द्वारा नगरीय निकायों में प्रस्तावित कार्यों की स्वीकृति जारी कर दी गयी है। बैठक में तय हुआ कि नगरीय निकाय ट्रांसपोर्ट कंपनियों को प्रोफेशनल तरीके से चलाएं। इसमें नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाये। कंपार्टमेंटिंग के वर्तमान प्रावधान को 30 जून, 2025 तक बढ़ाये जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। महापौर परिषद को नगरीय निकायों द्वारा दी गयी लीज में भू-अधिकार प्रदान करने के अधिकार प्रदाय किये जायें। इसके लिये एक माह का अभियान चलाया जाये। जनसंख्या के आधार पर स्वीकृत पदों पर भर्ती प्रक्रिया के अधिकार नगरीय निकायों को विकेन्द्रीकृत किये जायें। नगरीय निकायों के जन-प्रतिनिधियों को उत्कृष्ट कार्य के अध्ययन के लिये देश के अन्य नगरीय निकाय में नियमित भेजने का कार्यक्रम तैयार करने के निर्देश। बैठक में चुंगी क्षतिपूर्ति की अनुदान राशि के संबंध में भी चर्चा हुई। बैठक में नगर निगमों के सेवा प्रभार की दर को तय करने के लिये संचालनालय स्तर पर स्लेब तैयार करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के निर्माण कार्यों की जानकारी संबंधित महापौर को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये गये।

महंगी हुई रसोई गैस, घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 50 रुपए बढ़कर 853 रुपए

नई दिल्ली। आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर झटका लगा है। एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ गई हैं। घरेलू गैस सिलेंडर और उज्जवला योजना के तहत मिलने वाले सिलेंडर पर 50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को वितरण कंपनियों की ओर से रसोई गैस या एलपीजी की कीमत में 50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी किए जाने का ऐलान किया। मंत्री ने कहा कि उज्ज्वला और सामान्य श्रेणी के ग्राहकों दोनों के लिए गैस की कीमत में इजाफा किया गया है। नई कीमतें सोमवार आधी रात से लागू हो गई हैं। सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 803 रुपए से बढ़कर 853 रुपए हो जाएगी और उज्ज्वला योजना के तहत उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 503 रुपए से बढ़कर 553 रुपये हो जाएगी। मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि एलपीजी के प्रति सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की वृद्धि होगी। 500 से यह 550 (पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए) हो जाएगी और अन्य के लिए यह 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी। यह एक ऐसा कदम है जिसकी हम आगे समीक्षा करेंगे। हम हर 2-3 सप्ताह में इसकी समीक्षा करते हैं।

पेट्रोल-डीजल पर 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ा उत्पाद शुल्क, जनता पर नहीं पड़ेगा बोझ

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2-2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी। राहत की बात यह है कि उत्पाद शुल्क के बढ़ने से आम जनता पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। यह फैसला वैश्विक तेल कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव और ट्रंप प्रशासन की ओर से जवाबी टैरिफ के ऐलान के बीच लिया गया है। पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें 8 अप्रैल से लागू होंगी। सरकार की ओर से एक आधिकारिक आदेश जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। आदेश में कहा गया है कि पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर 13 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। सरकार की ओर से जैसे ही यह अधिसूचना जारी की गई, खबर आने लगी कि पेट्रोल-डीजल के दाम में भी बढ़ोतरी कर दी गई। आम आदमी पर भी इस बढ़ोतरी का बोझ पड़ेगा। आदेश में यह नहीं बताया गया कि खुदरा कीमतों पर इसका क्या असर होगा। हालांकि, बाद में स्थिति स्पष्ट हुई। उद्योग जगत के सूत्रों की मानें तो खुदरा कीमतों में बदलाव की संभावना नहीं है। बढ़े हुए उत्पाद शुल्क को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती के साथ समायोजित किए जाने की संभावना है, जो अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में गिरावट के कारण जरूरी थी।

फर्जी डॉक्टर के हाथों 7 की मौत के मामले में सीएम बोले- बख्शा नहीं जाएगा

दमोह। सात लोगों की जान लेने के आरोपी फर्जी डॉक्टर एनजोन कैम पर एफआईआर दर्ज हो गई है। साथ ही सरकार अब सख्त एक्शन लेने की तैयारी में है। सीएम मोहन यादव की पहली बार इस पर प्रतिक्रिया आई है। उन्हें सख्त लहजे में कहा है कि आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा। सीएम मोहन यादव ने कहा कि घटना हमारी जानकारी में है। हमारी सरकार उस पर कठोर कार्रवाई कर रही है। हम ऐसे मामलों में त्वरित एक्शन लेते हैं। हमारी सरकार की अपनी साख है।सीएम मोहन यादव ने कहा कि हमने अधिकारियों को ऐसे अन्य मामलों में भी जांच के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग कठोर कार्रवाई करेगी। दरअसल, दमोह में मिशन अस्पताल है। मिशन अस्पताल में ही डॉ एनजोन केम कॉर्डियोलॉजिस्ट बनकर आया था। वह शहर के एक बड़े होटल में ठहरता था। साथ ही खुद को लंदन का मशहूर कॉर्डियोलॉजिस्ट बताता था। इसकी वजह से लोग उसके पास इलाज के लिए आते थे। बताया जा रहा है कि उसने जिन सात लोगों के ऑपरेशन किए हैं। उनमें सभी की मौत हो गई है। घटना के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की टीम वहां जांच के लिए पहुंची है। साथ ही अस्पताल प्रबंधन पर भी सवाल उठ रहे हैं कि आखिर उसने बिन जांच के डॉक्टर को कैसे रख लिए। इन सारी चीजों को लेकर स्थानीय प्रशासन जांच कर रही है। फिलहाल फर्जी डॉक्टर एनजोन केम पर एफआईआर दर्ज हो गई है। पुलिस ने फर्जी डॉक्टर की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि फर्जी डॉक्टर एनजोन केम फरवरी माह से ही फरार है।

नरेंद्र विक्रमादित्य यादव है असली नाम अंग्रेज जैसा दिखने वाला नरेंद्र विक्रमादित्य यादव खुद को डॉ एनजोन केम बताता है। साथ ही मरीजों के सामने दावा करता था कि वह लंदन का मशहूर कॉर्डियोलॉजिस्ट है। वह बीते कुछ महीने से दमोह के मिशन अस्पताल में काम कर रहा था। दावा किया जा रहा है कि विक्रमादित्य यादव ने जिन सात लोगों के ऑपरेशन किए, सबकी मौत हो गई है। हालांकि मिशन अस्पताल का कहना है कि सिर्फ दो मौते हुई हैं।

कॉर्डियोलॉजिस्ट नहीं है, फर्जी है डिग्री बताया जा रहा है कि डॉ एनजोन केम की डिग्री फर्जी है। वह कॉर्डियोलॉजिस्ट नहीं है। उसने सिर्फ आंध्रप्रदेश की किसी यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस की पढ़ाई की है। दमोह से पहले वह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में भी कॉर्डियोलॉजिस्ट बनकर कुछ लोगों का ऑपरेशन किया था। दावा किया जा रहा है कि वहां भी कई लोगों की मौत हुई है। इनमें छत्तीसगढ़ के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ल भी नाम शामिल है। उस वक्त जब इस डॉक्टर पर आरोप लगे थे, तब आईएमए ने जांच करवाई थी। यह पाया गया था कि नरेंद्र विक्रमादित्य यादव की डिग्री फर्जी है।

आरक्षक को डंपर ने कुचला, 20 फीट तक बाइक को घसीट कर ले गया

इंदौर। इंदौर की स्कीम-136 में एक तेज रफ्तार डंपर ने ड्यूटी कर अपने घर लौट रहे पुलिस आरक्षक की जान ले ली। टक्कर के बाद बाइक डंपर के अगले पहिए में फंस गई और आरक्षक सहित बाइक को 20 फीट तक डंपर घसीटते हुए ले गया।

लोगों ने डंपर को रुकवाया और बाइक में फंसे आरक्षक को निकालने की कोशिश की, लेकिन मौके पर ही आरक्षक की मौत हो चुकी थी। मौका देख चालक डंपर छोड़कर भाग गयाघटना इंदौर के हीरानगर थाना क्षेत्र की है। एमआर 10 रोड को एमआर-11 से जोड़ने वाली लिंक रोड पर भारी वाहनों की आवाजाही भी रहती है। आरक्षक अजय शर्मा की ड्यूटी देवास नाका चौराहे पर लगी थी। वह सुबह ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहा था। तभी यह हादसा हुआ। अजय के साथ आरक्षक चयन सिंह भी थे। दोनो अलग-अलग बाइक पर थे। अजय की गाड़ी को डंपर ने पीछे से टक्कर मारी थी। पुलिस ने डंपर जब्त कर लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। रहवासियों को कहना है कि इस सड़क का एक हिस्सा घुमावदार है। वहां अक्सर हादसे होते है। मोड़ पर भारी वाहनों की गति नियंत्रित नहीं होती है और वे दूसरे वाहनों को टक्कर मार देते है। इंदौर के समीप पीथमपुर में बाइक पर सवार होकर जा रहे दंपत्ति की बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी। दंपत्ति शिव मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। इस हादसे में महिला की मौत हो गई, जबकि पुरुष गंभीर रुप से घायल है।

बाइक में ब्रेक लगाए तभी डंपर ने टक्कर मार दी डीसीपी अरविंद तिवारी के मुताबिक अजय की ड्यूटी देवास नाके पर लगी थी। ड्यूटी खत्म होने के बाद वे अपने साथी चयन सिंह के साथ अलग-अलग बाइक पर घर जा रहे थे। घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर उन्होंने बाइक में ब्रेक लगाए। इसी दौरान डंपर ने टक्कर मार दी। अजय का परिवार शिवपुरी में रहता है। यहां वह फ्लैट में अकेला रहता था। सुबह 8 से 12 और शाम 4 से 8 बजे तक देवास नाका पर ड्यूटी करता था। एक साथी पुलिसकर्मी के मुताबिक वह कई बार ट्रक का पीछा करता था। उसे दूसरे पुलिसकर्मियों ने रोका भी, पर वह नहीं माना। पुलिसकर्मियों का दावा है कि वह बहन की शादी के लिए पैसे इकट्ठे कर रहा था।

यह बताया प्रत्यक्षदर्शी ने

प्रत्यक्षदर्शी साहिल देवलिया प्रजापत के मुताबिक उन्होंने पूरा घटनाक्रम लाइव देखा था। ट्रक और बाइक देवास नाके से बापट चौराहे की ओर जा रही थी। दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी ट्रक के आगे चल रहे थे। एक पुलिसकर्मी ट्रक के पीछे से आगे आया और ड्राइवर साइड पर बाइक आगे अड़ा दी। इतने में ट्रक ड्राइवर ने रोका नहीं और पुलिसकर्मी ट्रक के पहिए के नीचे आ गया। ट्रक ड्राइवर उतरा और सड़क के दूसरी ओर भागा। पुलिसकर्मी की गर्दन धड़ से अलग हो चुकी थी। सिर चकनाचूर हो गया था। मैंने देखा तो मुझे उल्टी हो गई। गाड़ी पर मोहक इंटरप्राइजेस लिखा था।

पुलिस ने नर्सरी के कर्मचारी को ही पकड़ लिया जिस नर्सरी के सामने हादसा हुआ। उसके कर्मचारी रोहन रुद्र के मुताबिक हादसे के वक्त मैं कस्टमर को पौधे दिखा रहा था। तभी बहुत जोर की आवाज आई। मैं कस्टमर को वहीं छोड़कर तुरंत घटनास्थल की ओर भागा। वहां पहुंचा तब तक ट्रक का ड्राइवर भाग चुका था। वहां मृतक पुलिसकर्मी के साथी पुलिसकर्मी ने मेरी कॉलर पकड़ ली और मुझे थप्पड़ मारने लगे। कहा कि तू ड्राइवर है, तूने ही एक्सीडेंट किया है, कहीं मत जाना। तभी नर्सरी के मालिक भी वहां पहुंचे और उन्होंने मुझे पुलिस से छुड़ाया।

लाखों रुपए की ड्रग्स के साथ तीन युवक गिरफ्तार, नेटवर्क तलाश रही पुलिस

इंदौर। इंदौर के विजयनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार को तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इन युवकों के पास से करीब 39 ग्राम एमडी ड्रग बरामद हुई है, जिसकी बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। इन तीनों युवकों पर पहले भी धोखाधड़ी, मारपीट और एनडीपीएस एक्ट के तहत कई केस दर्ज हैं। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। गिरफ्तार किए गए युवकों के नाम अंकित पुत्र मोतीलाल कनासे (निवासी बड़खेड़ा बलवाड़ा), अंकुर पुत्र गोपाल पुरोहित (रेडियो कॉलोनी, आजाद नगर) और तन्मय पुत्र योगेश शर्मा हैं।

संदिग्ध हालत में गिरफ्तार पुलिस के अनुसार, तीनों युवक बिजनेस पार्क इलाके में संदिग्ध अवस्था में एक गाड़ी से घूम रहे थे। जैसे ही उन्हें पुलिसकर्मियों ने देखा, वे भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार युवकों से पूछताछ के बाद कई महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। अंकित के खिलाफ पहले भी आजाद नगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। जबकि अंकुर धोखाधड़ी के केस में गिरफ्तार हो चुका है और तन्मय पर छोटी ग्वालटोली थाने में मारपीट का आरोप है।

तीनों पर पहले से दर्ज हैं केस पुलिस ने बताया कि इन तीनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास है। अंकित पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पहले ही दर्ज है, जो उसकी आपराधिक गतिविधियों को उजागर करता है। वहीं, अंकुर ने पहले भी धोखाधड़ी की वारदातों को अंजाम दिया था और तन्मय के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज है। इस प्रकार, ये सभी आरोपी पहले भी कानून के खिलाफ गतिविधियों में शामिल रहे हैं, जिससे उनका आपराधिक नेटवर्क स्पष्ट होता है।

आरोपियों से गहन पूछताछ फिलहाल पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि यह ड्रग्स उन्हें कहां से मिली और वे इसे किसे बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस की टीम इस मामले की गहरी जांच कर रही है, ताकि और भी अपराधियों का पदार्फाश किया जा सके। इस गिरफ्तारी से पुलिस ने न केवल ड्रग्स के व्यापार में संलिप्त आरोपियों को पकड़ा है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि ऐसे अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शादी और नौकरी के तनाव में 25 वर्षीय युवक ने दे दी जान

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया मोरी में रहने वाले 25 वर्षीय युवक आकाश चौहान ने सोमवार सुबह अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की पहचान आकाश चौहान के रूप में हुई है। यह घटना सुबह उस समय सामने आई जब आकाश की मां ने कमरे में उसका शव फंदे से लटका देखा। इसके बाद उसने तुरंत पति और छोटे बेटे को जानकारी दी, और परिवार में हड़कंप मच गया। आकाश की शादी एक महीने पहले देवकन्या नामक युवती से हुई थी, जो चापड़ा की रहने वाली है। हाल ही में देवकन्या अपने मायके गई हुई थी। आकाश लसूड़िया इलाके के एक पेट्रोल पंप पर काम करता था, लेकिन कुछ समय पहले उसके और पेट्रोल पंप के मैनेजर के बीच कहासुनी हो गई थी। इसके बाद आकाश ने काम पर जाना बंद कर दिया था। साथ ही, मैनेजर की ओर से लगातार कॉल आ रहे थे और पैसे के लेन-देन को लेकर उस पर दबाव भी बन रहा था।

आर्थिक तनाव और मानसिक दबाव आकाश के पिता मोहन चौहान ने बताया कि शादी के बाद आकाश मुश्किल से दो दिन ही काम पर गया था। शादी के लिए उसने पेट्रोल पंप से कुछ रुपए एडवांस में लिए थे, और इसी लेन-देन को लेकर मैनेजर कुणाल के साथ उसका विवाद हुआ था। आकाश मानसिक रूप से तनाव में था और कुछ समय से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, जो उसकी आत्महत्या की वजह बन सकती है।

पढ़ाई करना चाहता था परिवार में आकाश के पिता, मां, छोटा भाई और बड़ी बहन हैं। पिता के मुताबिक, आकाश ने दो साल पहले पढ़ाई छोड़ दी थी, लेकिन इस साल उसने फिर से पढ़ाई शुरू करने की इच्छा जताई थी और फर्स्ट ईयर का प्राइवेट फॉर्म भी भर लिया था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है।

प्रेस क्लब इंदौर के 63वें स्थापना दिवस पर मीडिया कॉन्क्लेव

एआई से खुलेंगे अवसर, मौलिकता बरकरार रखें, तकनीक को अपनाकर आगे बढ़ें

इंदौर। जो लोग तकनीक का उपयोग अपने काम को बेहतर करने के लिए करते हैं वह भविष्य में बहुत तेजी से आगे बढ़ेंगे और जो तकनीक को नहीं सीखना चाहते वह पीछे रह जाएंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नौकरियां नहीं खा सकता। आपको तकनीक के इस दौर में मौलिकता को बरकरार रखना होगा और मौलिकता हमेशा ही जीवंत रहेगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कृत्रिम बुद्धि का धमाल नौकरी लेगा या करेगा कमाल। इस विषय पर यह विचार वरिष्ठ पत्रकारों ने प्रेस क्लब में व्यक्त किए। मौका था प्रेस क्लब इंदौर के 63वें स्थापना दिवस प्रसंग इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव 2025 का। पीटीआई के डिजिटल सर्विसेज एंड फैक्ट चेकिंग हेड प्रत्यूष रंजन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पत्रकारिता को कभी खत्म नहीं कर सकती वह पत्रकारिता की कमियों को दूर जरूर करेगी। जो डाटा का सही उपयोग करेगा वह तेजी से आगे बढ़ेगा। एनडीटीवी के सीनियर एडिटर हिमांशु शेखर ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे अधिक स्मार्टफोन उपयोग करने वाले देशों में से एक है। यहां फेसबुक, गूगल का उपयोग भी करोड़ों नागरिक करते हैं। उन्होंने कहा कि एआई से न्यूज एंकर बनाए जरूर गए लेकिन लोगों ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। लोगों को वास्तविक चीज ही पसंद आती है।

फील्ड रिपोर्टिंग का कोई विकल्प नहीं वेब दुनिया के संस्थापक विनय छजलानी ने कहा कि इंसान ने पहिए का आविष्कार किया और विकास को गति दी अब इंसान ने एक ऐसी तकनीक बनाई है जो उससे भी ज्यादा बुद्धिमान है भविष्य में वह संवेदनशील भी बन जाएगी। पत्रकारिता में चुनौतियां आ सकती हैं लेकिन फील्ड की रिपोर्टिंग हमेशा ही सर्वोपरि रहेगी।विनय छजलानी ने कहा कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से नौकरियां जाने का डर नहीं रखना चाहिए। हमें तकनीक को अपनाना होगा और खुद को बेहतर बनाना होगा।

मौलिकता बरकरार रखना जरूरी चुनौतियां सिर्फ मौलिकता की है। यदि आप मौलिकता को बरकरार रखते हैं, आप हमेशा तकनीक से आगे रहेंगे। फेक न्यूज एक गंभीर विषय है जिस पर लगाम लगाना जरूरी है और दुनियाभर की सरकारें इस पर काम कर रही हैं। जल्द ही इसका भी हल निकलेगा। इसके बाद हुए तीसरे सत्र में अखबारों से सिमटता साहित्य विषय पर चर्चा हुई। इसके पैनल डिस्कशन में एनडीटीवी के सीनियर एग्जीक्यूटिव एडिटर प्रियदर्शन, वरिष्ठ पत्रकार अनन्त विजय, मप्र साहित्य अकादमी के निदेशक डा विकास दवे और वरिष्ठ पत्रकार निर्मला भुराडिया शामिल हुए।

लिखने का सलीका सीखने को मिला

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि नई दुनिया के बगैर इंदौर के पत्रकारिता घराने की बात करना बेमानी है। वहां की पत्रकारिता सामाजिक सरोकारों से जुड़ी है। लिखने का सलीका सीखने को मिला। यहां की पत्रकारिता एक तपस्या के जैसी थी। हमने भी इंदौर में 9 सालों तक धुनी रमाई।

इंदौर से चलेगी एक और भारत गौरव पर्यटन ट्रेन

27 मई को इंदौर से पुरी के लिए होगी रवाना

इंदौर। रेलवे इंदौर को एक और भारत गौरव पर्यटन ट्रेन की सौगात देने जा रहा है। यह ट्रेन इंदौर से 27 मई को रवाना होगी और 6 जून को वापसी करेगी। इस दौरान यह ट्रेन पुरी, गंगासागर, बैद्यनाथ तथा काशी विश्वनाथ के दर्शन कराएगी। आईआरसीटीसी इस ट्रेन का संचालन करेगा। यह ट्रेन तीन श्रेणी में रहेगी, जिसमें स्लीपर के साथ-साथ सेकेंड और थर्ड एसी भी शामिल रहेगा। ट्रेन में एल-एचबी कोच लगाए गए हैं। 27 मई को यह ट्रेन इंदौर से उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, जबलपुर, कटनी, अनूपपुर होते हुए 29 मई को ओडिशा के जगन्नाथपुरी पहुंचेगी। यहां यात्री दर्शन करेंगे और दूसरे दिन सुबह, यानी 30 मई को कोलकाता के लिए प्रस्थान करेंगे। कोलकाता पहुंचने के बाद सड़क मार्ग से उन्हें गंगासागर ले जाया जाएगा, जहां रात्रि में भोजन एवं विश्राम होगा। 31 मई की रात गंगासागर में रुकने के बाद यात्री दूसरे दिन सुबह 1 जून को कोलकाता के कालीमाता मंदिर में दर्शन करेंगे और रातभर यात्रा करेंगे। 2 जून को माधवपुर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग से बाबा बैद्यनाथ के दर्शन करने जाएंगे और फिर 3 जून को वाराणसी पहुंचकर काशी विश्वनाथ के दर्शन करेंगे। यहां से ट्रेन अयोध्या पहुंचेगी और श्रीराम मंदिर भूमि के दर्शन कराने के बाद इंदौर के लिए लौटेगी। 4 जून की शाम ट्रेन इंदौर के लिए रवाना हो जाएगी और 5 जून को इंदौर पहुंचेगी।

कुख्यात खड़किया गैंग के चार सदस्य गिरफ्तार, एक किलो सोना बरामद

इंदौर। इंदौर की तेजाजी नगर पुलिस ने बांक टांडा के कुख्यात खड़किया गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आरोपियों की निशानदेही पर शहर के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी के दौरान करीब एक दर्जन सुनारों से पूछताछ करनी पड़ी। इनमें से कई के पास से चोरी का करीब 1 किलो सोना बरामद किया गया है। इस कार्रवाई का नेतृत्व प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी कर रहे थे। पुलिस ने दो टीमें बनाई थीं—एक टीम ने सुनारों से पूछताछ की, जबकि दूसरी टीम ने जब्ती की कार्रवाई को अंजाम दिया। तेजाजी नगर पुलिस ने सबसे पहले गिरोह के सरगना खड़क सिंह उर्फ खड़किया को पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने साथियों के साथ सूने घरों को निशाना बनाकर चोरी करता था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने गैंग के अन्य तीन सदस्यों—समाल सिंह, गेमर सिंह और रामू को भी गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी विनोद मीणा के मुताबिक, खड़क सिंह पढ़ा-लिखा नहीं है लेकिन महंगी एसयूवी में घूमता है और उसके पास करोड़ों की संपत्ति है। यह गैंग तेजाजी नगर, राजेंद्र नगर और एरोड्रम क्षेत्र में कई वारदातों को अंजाम दे चुका है।

मप्र में पहली बार सुरक्षित लैंडिंग के लिए हुआ स्वदेशी मशीन से रनवे फ्रिक्शन टेस्ट

इंदौर। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होल्कर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमानों की सुरक्षित लैंडिंग के लिए पहली बार देश में पूरी तरह से स्वदेशी रूप से तैयार की गई फ्रिक्शन रनवे टेस्टिंग मशीन का इस्तेमाल किया गया। इस टेस्ट में रनवे को एयरक्राफ्ट की सुरक्षित और स्मूद लैंडिंग के लिए उपयुक्त पाया गया। विशेषज्ञों की टीम ने माना कि भारी-भरकम विमानों के संचालन के बावजूद वर्तमान में कोई खतरा नहीं है।

यह मशीन रनवे पर दौड़ते हुए विमानों की लैंडिंग के दौरान होने वाले घर्षण की जांच करती है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा यह परीक्षण शनिवार को इंदौर एयरपोर्ट पर किया गया। इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि इस एयरपोर्ट सरफेस फ्रिक्शन टेस्टर को पहली बार भारत में तैयार किया गया है। इससे पहले यह मशीन विदेशों से मंगाई जाती थी। इस मशीन को एक कार पर इंस्टॉल किया जाता है। इसमें एक विशेष पहिया रनवे की सतह को स्पर्श करता है। कार के दौड़ने पर यह पहिया रनवे पर उपलब्ध घर्षण का डेटा मशीन तक भेजता है। अकसर विमानों के तेजी से उतरने पर उनके टायरों का रबर रनवे पर चिपक जाता है, जिससे रनवे की घर्षण क्षमता कम हो जाती है और फिसलन का खतरा बढ़ जाता है। यह मशीन इन सभी आंकड़ों को रिकॉर्ड करती है और उसी के आधार पर रनवे के सुधार की आवश्यकता तय की जाती है। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, जब विमान लैंड करता है, तो सबसे पहले उसके टायर रनवे से टकराते हैं। रनवे की सतह सीमेंटेड होती है और इस पर कारपेट की तरह लेयर बिछाई जाती है ताकि टायर खराब न हों। यदि यह सतह खराब हो जाए तो लैंडिंग के समय झटका महसूस हो सकता है या टायर फटने की घटनाएं हो सकती हैं। टेस्ट के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि रनवे पर किसी तरह की कोई परेशानी न हो। यदि कोई दिक्कत सामने आती है, तो सुधार कार्य किया जाता है क्योंकि यह विमानों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है।

25 करोड़ में हो रहा रनवे मरम्मत का काम इंदौर एयरपोर्ट पर वर्तमान में 25 करोड़ रुपए की लागत से रनवे की मरम्मत का कार्य चल रहा है। इसके लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सितंबर में टेंडर जारी किए थे और नवंबर में चंद्रपुर की श्रीसाईं कंस्ट्रक्शन कंपनी को यह कार्य सौंपा गया। इस कार्य के अंतर्गत रनवे की पुरानी डामर परत को हटाकर लगभग 8 इंच मोटी नई परत बिछाई जा रही है। यह कार्य प्रतिदिन रात के समय किया जा रहा है, जिसके चलते रात की उड़ानों का संचालन नहीं हो रहा। अथॉरिटी द्वारा 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक रात 10:30 बजे से सुबह 6:30 बजे तक रनवे क्लोजर का आदेश जारी किया गया है। इंदौर एयरपोर्ट पर अब राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नए बोइंग 777 जैसे बड़े विमान आसानी से उतर सकते हैं। साल 2022 में रनवे के टर्नपैड की चौड़ाई बढ़ाकर इसे संभव बनाया गया। दरअसल, 31 अगस्त 2021 को पीएम का विमान प्रैक्टिस फ्लाइट के तौर पर इंदौर आया था, लेकिन रनवे पर टर्नपैड की कम चौड़ाई के कारण बिना उतरे लौट गया था। इसके बाद टर्नपैड की चौड़ाई चार मीटर तक बढ़ाई गई, जिससे अब बोइंग 777 विमान आसानी से उतर सकते हैं।

कांग्रेस ने फर्जी डॉक्टर पर हत्या का केस दर्ज करने और 1-1 करोड़ मुआवजा देने की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश के दमोह में मिशन अस्पताल में फर्जी डॉक्टर के ऑपरेशन करने से सात मरीजों की मौत हो गई। इस मामले में सरकार भी एक्शन मोड में है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वास्थ्य विभाग को फर्जी डॉक्टरों को चिन्हित करने अभियान चलाने की बात कही है। वहीं, इस मामले में अब कांग्रेस सरकार पर हमलावर है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रवि सक्सेना ने मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली को लेकर भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने सोमवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं अत्यधिक खराब हो चुकी हैं, जिससे जनता की जान खतरे में है। उन्होंने दमोह जिले के फर्जी डॉक्टर मामले में सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग करने के साथ ही एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग की है। सक्सेना ने कहा कि दमोह के मिशनरी अस्पताल में नरेंद्र विक्रमादित्य यादव नामक शख्स ने डॉ. एनजॉन केम के नाम से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी हासिल की। उसने जनवरी-फरवरी 2025 में 15 से ज्यादा हार्ट सर्जरी कीं, जिनमें से 8 मरीजों की मौत हो चुकी है। जांच में पता चला कि उसकी डिग्री और अनुभव पूरी तरह फर्जी थे। अस्पताल प्रबंधन ने बिना किसी पृष्ठभूमि जांच के उसे मरीजों की जिंदगी सौंप दी, जो अपने आप में गंभीर लापरवाही का सबूत है। आरोपी के फरार होने से सवाल और गहरा गया है कि क्या प्रभावशाली लोग इस मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं? उन्होंने सरकार से फर्जी डॉक्टरों और अस्पतालों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने और सख्त कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही पीड़ितों को एक एक करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग की है। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की उदासीनता के कारण फर्जी डॉक्टरों और अवैध अस्पतालों का चलन बढ़ा है। उन्होंने याद दिलाया कि 2019 में कांग्रेस सरकार ने फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की थी, लेकिन भाजपा के सत्ता में आने के बाद यह अभियान ठंडे बस्ते में चला गया।

शहरी जमीन विवादों पर सीएम सख्त.... एक्टिव मोड में रहे पुलिस-रेवेन्यू अमला

भोपाल प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में जमीन की बढ़ती कीमतों के चलते जमीन विवाद बढ़ सकते हैं। ऐसी स्थिति में पुलिस के साथ राजस्व विभाग को भी एक्टिव रहना होगा। साथ ही दोनों विभागों में को-आर्डिनेशन भी प्रॉपर रहना चाहिए, ताकि ऐसे मामलों पर कार्रवाई में देरी की स्थिति नहीं बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को नए आपराधिक कानूनों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस, जेल, अभियोजन, न्यायिक एवं फोरेंसिक कर्मचारियों को घटनाओं के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए नई टेक्निक से अपडेट होना भी जरूरी है। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन और गृह विभाग के अफसर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अचल संपत्ति संबंधी अपराधों पर नियंत्रण के लिए पुलिस के साथ राजस्व का अमला भी सजग और सतर्क रहे, साथ ही दोनों विभागों में परस्पर समन्वय भी हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों सहित जिन क्षेत्रों में भूमि की दरें तेजी से बढ़ रही हैं, वहां विशेष सजगता बरती जाए। वर्तमान चुनौतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय प्रणाली को अधिक लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में मजबूत कदम है। सभी के लिए अधिक सुलभ, सहायक और कुशल न्याय प्रणाली तय करने के उद्देश्य से बने इन कानूनों और नवीन प्रक्रियाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है। न्याय प्रणाली से जुड़ी सभी संस्थाओं में अपडेट व्यवस्था लागू करते हुए जन-सामान्य को नई धाराओं और प्रक्रियाओं से शीघ्र अवगत कराने नए आपराधिक कानूनों के बारे में जागरुकता गतिविधियां संचालित की जाएं।

चार विभागों में नई टेक्नालॉजी पर हो फोकस मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस, जेल, अभियोजन, न्यायिक एवं फोरेंसिक कर्मियों के बीच अपडेट तकनीक के उपयोग का प्रशिक्षण दिए जाने का प्रबंध किया जाए। सभी हितधारकों में हर स्तर पर बेहतर समन्वय जरूरी है। हर स्तर पर आवश्यक व्यवस्था, उपकरण और भौतिक संसाधनों की उपलब्धता प्राथमिकता के आधार पर लागू की जाएं।

न्यायश्रुति साफ्टवेयर से होगी वीडियो कांफ्रेंसिंग बैठक में बताया गया कि समयावधि में चालान के लिए नया डैशबोर्ड उपलब्ध है। ई-साक्ष्य की प्रक्रिया भी आरंभ की जा चुकी है। पुलिस थानों तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए न्यायश्रुति सॉफ्टवेयर तैयार कर लिया गया है और थानों व कंट्रोल रूम में साउंड प्रूफ कक्ष चिन्हित किए जा रहे हैं। ऑनलाइन समन, वारंट मॉड्यूल के अंतर्गत गतिविधियां प्रगति पर हैं।

तीन माह में 50 फीसदी वारंट इलेक्ट्रानिकल तकनीक से हुए तामील सीएम को जानकारी दी गई कि पिछले तीन महीने में 50 प्रतिशत से अधिक वारंट तिथि से पहले इलेक्ट्रानिक रूप से तामील किए गए। इनकी मॉनीटरिंग के लिए सभी जिलों में सेल गठित किए जा चुके हैं। डिजिटल इन्वेस्टिगेशन के लिए टेबलेट्स और लाइव स्कैनर थानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बैठक में डिजिटल धोखाधड़ी, डेटा चोरी जैसे सायबर अपराधों के बारे में जागरूकता के लिए की गई पहल की भी जानकारी दी गई।

रसोई गैस के दाम बढ़ाने पर कमलनाथ बोले सरकार ने आम आदमी की पीड़ा का उड़ाया मजा

भोपाल पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने केंद्र सरकार पर घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी करने पर निशाना साधा है। कमलनाथ ने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 50 रुपया की वृद्धि कर केंद्र सरकार ने आम आदमी पर महँगाई का चाबुक चलाया है। भोपाल में अब सिलेंडर की कीमत 858.50 रुपये हो जाएगी। उन्होंने कहा कि देश में पहले से ही रसोई का बजट आसमान छू रहा था, दाल, सब्जियों, खाद्य तेल, आटा और राशन का दूसरा सामान पहले से ही महंगा है। अलग अलग संस्थाओं की रिपोर्ट बताती है कि बढ़ी हुई महंगाई के कारण लोग कर्ज़ के बोझ में डूबते जा रहे हैं और बच्चों की पढ़ाई लिखाई तक का ख़र्च नहीं उठा पा रहे ऐसे में सरकार को महँगाई में राहत देने का कोई क़दम उठाना चाहिए था। लेकिन राहत देने के बजाय सरकार ने गैस सिलेंडर महँगा करके आम आदमी की पीड़ा का मज़ाक उड़ाया है। कमलनाथ ने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार को तत्काल बढ़ी हुई क़ीमतें वापस लेनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं केंद्र सरकार को याद दिलाना चाहता हूं कि केंद्र में जब कांग्रेस पार्टी की सरकार थी तो गैस सिलेंडर पर सब्सिडी दी जाती थी। वर्तमान सरकार ने जानबूझकर सब्सिडी समाप्त की और धीरे धीरे गैस सिलेंडर के दाम आसमान पर पहुँचा दिये। यह पूरी तरह से जन विरोधी कदम है।

मध्य प्रदेश में बदले जा सकते हैं 15 जिलों के आबकारी अधिकारी

भोपाल। प्रदेश में शराब ठेकों की नीलामी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 15 जिलों के जिला आबकारी अधिकारी (डीईओ) हटाए जा सकते हैं। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने ऐसे जिलों की सूची मांगी थी, जहां डीईओ का प्रदर्शन खराब है। इनमें छिंदवाड़ा, विदिशा, बड़वानी और राजगढ़ के डीईओ का प्रदर्शन(परफारमेंस) खराब बताया जा रहा है। ये जिले राजस्व लक्ष्य में पिछड़ गए हैं। वहीं नर्मदापुरम, छतरपुर, झाबुआ, टीकमगढ़ और खंडवा जिले में एक ही जिला आबकारी अधिकारी के पदस्थ रहते तीन साल से अधिक हो गया है। वाणिज्यिक कर विभाग के प्रमुख सचिव ने ऐसे जिलों की सूची तैयार कर ली है। जल्द ही इनके तबादले किए जा सकते हैं। विभाग में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां कनिष्ठ अधिकारी, जैसे कि सहायक जिला आबकारी अधिकारी (एडीईओ), जिला आबकारी अधिकारी (डीईओ) जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए आबकारी महकमे में बड़े फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, प्रदेश के कई जिलों के जिला आबकारी अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इसमें शिवपुरी, नरसिंहपुर, आलीराजपुर, सहित कई जिले शामिल हैं, जहां नए अधिकारियों की नियुक्ति आवश्यक हो गई है।

ऑनलाइन ऑर्डर कर सोने के 14 सिक्के हथियाए, खाली डिब्बा किया रिटर्न

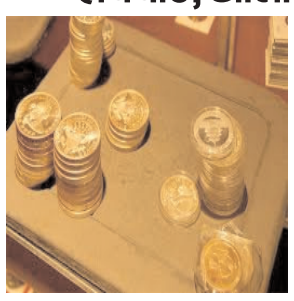

भोपाल। भोपाल में एक जालसाज ने ऑनलाइन सोने के सिक्के ऑर्डर करने के बहाने लाखों रुपये की धोखाधड़ी की है। उसने ऑनलाइन ई-कामर्स वेबसाइट से सोने के सिक्के ऑर्डर किए। पार्सल मिलने पर ठग ने डिलेवरी ब्वाय को रुपयों का लालच देकर पैकिंग खोली और उसमें से सोने के सिक्के निकाल लिए। साथ ही ऑर्डर को तुरंत रिटर्न कर दिया। जिससे उसके ऑर्डर के रुपये भी ऑनलाइन वापस मिल गए और सिक्के भी। वहीं, कंपनी को जब रिटर्न ऑर्डर का पार्सल खाली मिला तो उन्होंने डिलेवरी कंपनी से जवाब मांगा, जिसके बाद डिलेवरी कंपनी की शिकायत पर चूनाभट्टी थाने में आर्डर करने वाले आरोपित और डिलेवरी ब्वाय के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है।

सिक्के के दो अलग-अलग ऑर्डर दिए थे एसआई योगेश सिसोदे ने बताया कि अक्टूबर 2024 में विजय नाम के व्यक्ति ने ई-कामर्स वेबसाइट एमेजन से सोने के सिक्के के दो अलग-अलग आर्डर दिए थे। गौरतलब है कि उसने एक ऑर्डर में आठ सिक्के और दूसरे में छह सिक्कों का ऑर्डर दिया था। वहीं, दोनों ऑर्डर के लिए चूनाभट्टी क्षेत्र की अलग-अलग लोकेशन दी गई थीं। तय समय पर कंपनी ने विजय को ऑर्डर डिलेवर कर दिया। लेकिन ऑर्डर प्राप्त करने के बाद विजय ने डिलेवरी ब्वाय मनीष कार्तिकार को पार्सल खोलने के एवज में 500 रुपये का लालच दिया। और उसने पार्सल खोलकर उसमें से सोने के सिक्के निकाल लिए और खाली पार्सल पकड़ा दिया।

राशि भी वापस मिल गई इधर, उसने दोनों ऑर्डर ऑनलाइन रिटर्न भी कर दिए, जिससे की उसे आर्डर की राशि भी वापस मिल गई। कंपनी में ऑर्डर वापस पहुंचा तो दोनों पार्सल के कुल 14 सोने के सिक्के गायब मिले। जिसके बाद कुरियर कंपनी ब्लू डार्ट से संपर्क किया गया।

सोहेल ने राहुल बनकर की शादी, मंदिर में मांग भरकर भरोसा दिलाया और किया दुष्कर्म

भोपाल। राजधानी में एक बार फिर से लव जिहाद का मामला सामने आया है। सोहेल नाम के युवक ने राहुल शर्मा नाम से इंस्टाग्राम पर अपनी आईडी बनाई और एक हिंदू लड़की से दोस्ती कर ली। नजदीकियां बढ़ने के बाद उसने अपना मूल नाम व धर्म छिपाते हुए युवती को मंदिर ले जाकर मांग में सिंदूर भरा और शादी का भरोसा दिया। इसके पूर्व घुमाने ले जाने के बहाने उसने युवती के साथ दुष्कर्म भी कई बार किया। लोगों को जब आरोपी युवक की असलियत पता चली तो पकड़कर पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी जोन-2 संजय अग्रवाल ने बताया कि युवती मूलत: छत्तीसगढ़ की रहने वाली है। यहां पर वह कटारा हिल्स इलाके में रहती है। करीब तीन माह पूर्व युवती की दोस्ती इंस्टाग्राम पर राहुल शर्मा नामक युवक से हुई। दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। युवक विदिशा से भोपाल आ गया। वह नादरा बस स्टैंड के पास किराए का कमरा लेकर रह रहा था और पुताई का काम करने लगा था। कुछ दिन पूर्व युवक ने युवती पर शादी का दबाव बनाया। युवती ने मना किया तो उसने चैटिंग वायरल करने की धमकी दी। इससे डरी युवती उसकी बातों में आ गई।

तीन दिन पहले कटारा हिल्स के एक मंदिर में दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद युवती को पता चला कि वह अपना धर्म छिपाकर ऐसा कर रहा है। युवती के परिजनों ने आरोपी से दस्तावेज मांगे, तब जाकर लव जिहाद का खुलासा हुआ। परिजनों ने सख्ती से पूछताछ की। तब युवक ने बताया कि वह विदिशा का है और उसका नाम सोहेल खान है। परिजनों ने बजरंग दल पदाधिकारियों को सूचना दी। वे युवक को थाने लेकर पहुंचे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

राज्य सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण का शुभारंभ, सीएम डॉ. मोहन यादव बोले

अधिकारी अपनी कुशलता और दक्षता से सभी की अपेक्षाओं पर खरे उतरें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रशासन अकादमी में राज्य सिविल सेवा के अधिकारियों के 118वें संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम सत्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय समाज स्व-नियंत्रित और सुसंस्कृत समाज है। राज्य सेवा के लिए चयनित अधिकारी पवित्र सेवा भाव और परिष्कृत मन मस्तिष्क के साथ, उन्हें मिली शक्तियों का उपयोग करते हुए अपने दायित्व निर्वहन की ओर अग्रसर हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अधिकारी अपनी कुशलता और दक्षता से सभी की आशाओं-आकांक्षाओं पर खरे उतरें यही कामना है।

मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षुओं से कहा कि नर्सरी कक्षा से लेकर अब तक के शिक्षण-प्रशिक्षण से मिले ज्ञान के आत्म अवलोकन से अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियों और कार्यों को दक्षतापूर्वक संपन्न करें। उन्होंने कहा कि शिक्षण से व्यक्ति और प्रशिक्षण से व्यक्तित्व का निर्माण होता है। हमारी पाठ्य पुस्तकें अपार ज्ञान का भंडार हैं, लेकिन दायित्वों को पूरा करने के लिए इसी ज्ञान की मदद से अपना मार्ग स्वयं खोजना होगा। मुख्यमंत्री ने अपने दायित्वों के निर्वहन में पारिवारिक मूल्यों का ध्यान रखने, जनसामान्य के साथ शालीन व्यवहार और संवाद क्षमता विकसित करने तथा आउट ऑफ बॉक्स सोचते हुए समाज हित में नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। बड़े पद की जिम्मेदारी के साथ-साथ परिवारजन और मित्रों की अपेक्षाओं पर बने रहना भी एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि आपका व्यवहार ऐसा हो कि आप अधिक से अधिक लोगों की आशाओं व आकांक्षाओं पर खरे उतर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मिशन कर्मयोगी से विकास और जनकल्याण की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत है। चयनित अधिकारियों को स्वयं के परिश्रम और ईश्वर की कृपा से जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने सबसे अपेक्षा की कि प्रशिक्षण उपरांत अधिकारी, मैदानी चुनौतियों को स्वीकार करते हुए आत्मविश्वास और सकारात्मक मानसिकता के साथ सुशासन और गुणवत्तापूर्ण लोक सेवाओं के लिए उत्तरदायी-जवाबदेह-पारदर्शी-स्वच्छ और संवेदनशील भूमिका का निर्वहन करें।

प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र में बनेगा आधुनिक खेल परिसर

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने प्रदेश के सभी महापौरों की बैठक में कहा सभी नगरीय निकायों में होंगे फिट इंडिया क्लब

भोपाल। प्रदेश में खेलों के विकास को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। हर विधानसभा क्षेत्र में बहुउद्देशीय आधुनिक खेल परिसरों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही, प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में फिट इंडिया क्लब खोले जाएंगे, जहां बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक के लिए शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को तात्या टोपे स्टेडियम भोपाल में खेलों के उन्नयन के लिये प्रदेश के सभी महापौरों की बैठक ली। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से नगरीय निकायों में खेलों के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने, युवाओं को खेलों के प्रति आकर्षित करने, नगरीय निगम के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन सहित अनेक विषयों पर चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों के पास पहले से मौजूद खेल मैदानों व अधोसंरचना का उन्नयन कर खेल गतिविधियों को गति दी जा सकती है। बैठक में नगरीय निकायों और खेल विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया, जिससे राज्य भर में खेलों का व्यापक प्रसार और विकास सुनिश्चित किया जा सके।

युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित किया जाएगा

नगरीय निकायों में मौजूद खेल मैदानों और अधोसंरचना का उन्नयन कर खेल गतिविधियों को बढ़ाया जाएगा। नगरीय निकायों और खेल विभाग के बीच बेहतर समन्वय बनाकर कम्युनिटी स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने की योजना है। स्थानीय स्तर पर फिट इंडिया क्लब की स्थापना और सामुदायिक खेल आयोजनों से युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित किया जाएगा। इसके अलावा खेलो बढ़ो अभियान, पार्थ योजना और मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान जैसे कार्यक्रमों को भी पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा, जिससे युवाओं को खेलों के साथ-साथ सेना, पुलिस जैसी सेवाओं की तैयारी में मदद मिलेगी।

नगरीय निकायों में कम्युनिटी स्पोर्ट्स को मिलेगा बढ़ावा

मंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों में कम्युनिटी स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से विभिन्न पहल की जाएगी। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में सर्वसुविधायुक्त फिट इंडिया क्लब स्थापित किए जाएंगे। इन क्लबों में बच्चों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी आयु वर्ग के नागरिकों के लिए शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली सुविधाएं उपलब्ध होंगी। बैठक में सभी महापौरों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में खेलों के उन्नयन के लिये क्षेत्र चिन्हित कर प्रस्ताव तैयार करें। इससे खेलों के प्रति रुचि को बढ़ावा मिलेगा और स्वस्थ एवं सक्रिय समाज के निर्माण की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकेंगे।

संपादकीय

शर्मनाक है कुपोषण से जूझ रहे देश में अनाज का सड़ जाना

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार सप्लाई चेन की कमी के कारण भारत में हर साल 11–15 फीसदी अनाज नष्ट हो जाता है। दूसरी ओर, 2011 की जनगणना के अनुसार देश की 14.37 फीसदी आबादी कुपोषण की शिकार है। ये आंकड़े बताते हैं कि भारत में खाद्य सुरक्षा के लिए भंडारण क्षमता विकसित करने की कितनी जरूरत है। खाद्य पदार्थों का नुकसान दो तरीके से होता है। एक तो उपभोक्ता तक पहुंचने से पहले, और दूसरा उपभोक्ता के स्तर पर। डब्लूआरआई इंडिया के फूड लॉस एंड वेस्ट प्रोग्राम के मुताबिक भारत में फूड ग्रेन स्टोरेज मैनेजमेंट में कई चुनौतियां हैं, जिनकी वजह से अनाज का काफी नुकसान होता है। यह हमारी खाद्य सुरक्षा को भी प्रभावित करती है। इससे किसानों और ट्रेडर्स को भी आर्थिक नुकसान होता है, जिससे खाद्य सुरक्षा और प्रभावित होती है। एफएओ के 2021 के आकलन के अनुसार अनाज का नुकसान कुल उत्पादन का 11 से 15 प्रतिशत है। मात्रा के लिहाज से यह 275 से 375 लाख टन होता है। स्थानीय स्तर पर स्टोरेज क्षमता विकसित करने से अनाज का नुकसान कम होगा और देश में खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी। सुरक्षित स्टोरेज के साथ अगर इस नुकसान को कम किया जाए तो देश की 10 प्रतिशत खाद्य जरूरत पूरी की जा सकती है।

उत्तरप्रदेश के हापुड़ स्थित इंडियन ग्रेन स्टोरेज मैनेजमेंट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार अवैज्ञानिक भंडारण, कीटों, चूहों और माइक्रो ऑर्गेनिज्म आदि के कारण कुल उत्पादन का 10 प्रतिशत खाद्यान्न नष्ट हो जाता है। हर साल स्टोरेज नुकसान 1.4 करोड़ टन के आसपास है जिसकी वैल्यू लगभग 7,000 करोड़ रुपए होती है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार यह मात्रा भारत के एक–तिहाई गरीबों को खिलाने के लिए काफी है। कीटों से होने वाला नुकसान 2 प्रतिशत से 4.2 प्रतिशत है, चूहे 2.5 प्रतिशत अनाज नष्ट करते हैं, पक्षी 0.85 प्रतिशत अनाज चुग जाते हैं। इसके अलावा 0.68 प्रतिशत अनाज नमी के कारण बर्बाद हो जाता है।

जिस देश में करोड़ों लोग कुपोषण व खाद्यान्न की किल्लत से जूझ रहे हों, उसके सिर्फ एक राज्य में ही, चार साल में 8191 मीट्रिक टन अनाज सड़ जाए, इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। हमारा गैर–जिम्मेदार तंत्र इसकी जवाबदेही से बच नहीं सकता। यह लापरवाही की अंतहीन श्रृंखला की दुर्भाग्यपूर्ण परिणति है। किसानों के खून–पसीने से उपजी और कर दाता के धन से खरीदी गई लाखों टन उपज का यूं बर्बाद होना बताता है कि हमारे तंत्र में प्रबंधन से जुड़े अधिकारी कितने संवेदनहीन और गैर–जिम्मेदार हैं। चिंता की बात यह है कि पंजाब में साल–दर–साल बर्बाद होने वाले अनाज की मात्रा लगातार बढ़ती ही जा रही है। यानी इस संकट को अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। चिंता की बात यह कि जहां वर्ष 2022–23 में जहां करीब 264 मीट्रिक टन अनाज खराब हुआ था, वहीं वर्ष 2023–24 में यह आंकड़ा 29 गुना बढ़ गया बताया जाता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह आंकड़ा बढ़कर 7764 मीट्रिक टन हो गया बताया जाता है। जिस देश में तमाम लोग कुपोषण व भुखमरी का दंश झेलते हों, वहां ये आंकड़े शर्मशार करने वाले ही हैं। एक आकलन के अनुसार इस बर्बाद हुए अनाज से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सोलह लाख लोगों का पेट भरा जा सकता था। बताया जाता है कि खाद्यान्न की बर्बादी के इस आंकड़े का उल्लेख उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की रिपोर्ट में किया गया है। निश्चित रूप से साल–दर–साल बढ़ती अन्न की बर्बादी हमारी लचर भंडारण क्षमता पर सवाल खड़े करती है।

हरित क्रांति की सफलता का पंजाब को भरपूर लाभ मिला। किसानों ने भी पूरे मनोयोग से कंधा से कंधा लगाकर सहयोग दिया। तत्कालीन सत्ताधीशों की सजगता व सक्रियता से यह क्रांति परवान चढ़ी। कालांतर में धरती सोना उगलने लगी। देश की खाद्य श्रृंखला को मजबूत बनाने में पंजाब के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। लेकिन राज्य के सत्ताधीशों ने इस बहुमूल्य खाद्यान्न को सहेजने में दूरदर्शिता नहीं दिखाई। यदि सरकार समय रहते बड़े पैमाने पर अनाज के गोदाम बनाती तो आज ये संकट पैदा नहीं होता। भंडारण संकट के चलते ही किसान भी फसल की कटाई के बाद तुरंत फसल बेचने मंडियों की तरफ दौड़ता है। जिसके चलते बिचौलिए व आढ़ती औने–पौने दाम पर किसानों को फसल बेचने के लिये मजबूर कर देते हैं। इससे किसान को उसकी उपज का वाजिब दाम नहीं मिल पाता। किसान आज जो कई तरह के संकट उचित दाम न मिल पाने के कारण झेल रहा है, उसके मूल में भी अनाज भंडार व्यवस्था की खामियां भी हैं। बहरहाल, पंजाब में अनाज भंडार का जिम्मा संभालने वाले राज्य तंत्र तथा फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के लापरवाह अधिकारियों की इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। दरअसल, सख्त कार्रवाई के अभाव में अधिकारी अपने गंभीर दायित्व के प्रति भी उदासीन बने रहते हैं। उन्हें विश्वास रहता है कि छोटी–मोटी कार्रवाई के बाद भी साफ बच जाएंगे। निस्संदेह, अनाज की बबार्दी पर शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी।

स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में असमानता

हर वर्ष 7 अप्रैल को जब विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है, तो यह अवसर केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का दिन होना चाहिए। विशेष रूप से भारत जैसे देश के लिए जहां स्वास्थ्य सेवाएं आज भी बहुसंख्यक आबादी के लिए दुर्लभ और असमान हैं। एक ओर चमकते शहरों में आधुनिक अस्पताल हैं, तो दूसरी ओर करोड़ों गरीब नागरिक ऐसे हैं जो बुनियादी चिकित्सा सुविधा तक नहीं पहुंच पाते। भारत में स्वास्थ्य आज भी एक सेवा नहीं, संघर्ष है- गरीबी, कुपोषण, असमानता और उपेक्षा से जूझते लोगों के लिए यह दिवस एक चेतावनी है कि विकास की दौड़ में पीछे छूट गए लोगों की सेहत की सुध लेना अब टालना संभव नहीं।

भारत ने पिछले कुछ दशकों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। पोलियो उन्मूलन, कोविड–19 के दौरान टीकाकरण अभियान और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के जरिये सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। लेकिन ये सफलता की कहानियां केवल कहानी बनकर न रह जाएं, इसके लिए जरूरी है कि हम आंकड़ों की तह में जाकर असलियत को देखें।

भारत का कुल स्वास्थ्य बजट 2024–25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 2.1 प्रतिशत है, जबकि डब्ल्यूएचओ का मानक न्यूनतम 5 प्रतिशत है। यह बजट अपेक्षाकृत कम है, खासकर तब जब हम देखते हैं कि भारत में एक बड़े हिस्से को अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। गांवों में तो सरकारी अस्पताल अकसर डॉक्टर, दवा और उपकरणों के अभाव में सिर्फ इमारत बनकर रह जाते हैं।

भारत में स्वास्थ्य और गरीबी का संबंध इतना गहरा है कि अकसर ये दोनों एक–दूसरे को जन्म देते हैं। जो लोग गरीब हैं, उन्हें पौष्टिक भोजन नहीं मिलता, वे अस्वच्छ माहौल में रहते हैं और चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित रहती है। जब वे बीमार पड़ते हैं, तो उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा इलाज में चला जाता है, जिससे वे और गरीब हो जाते हैं। यह एक चक्रव्यूह है, जिससे निकलना आसान नहीं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस–5) के अनुसार, भारत की लगभग 35 फीसदी जनसंख्या अब भी कुपोषण से ग्रस्त है और बालकों में स्टंटिंग (लंबाई कम होना) और वेस्टिंग (वजन कम होना) जैसी समस्याएं आम हैं। इस कुपोषण का सीधा संबंध गरीबी से है, जो स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के साथ मिलकर एक भयावह तस्वीर प्रस्तुत करता है।

भारत ने बाल मृत्यु दर में कमी लाने के प्रयास किए हैं, लेकिन अब भी यह दर कई विकसित देशों की तुलना में बहुत अधिक है। एनएफएचएस–5 के अनुसार, भारत में प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 28 शिशुओं की मृत्यु हो जाती है। मातृ मृत्यु दर भी चिंताजनक है—हर 100,000 जन्मों पर 97 महिलाओं की मृत्यु होती है, जो बताता है कि गर्भावस्था और प्रसव भारत में अब भी जोखिमपूर्ण अनुभव है।

इसका मुख्य कारण है- स्वास्थ्य केंद्रों की कमी, प्रसव पूर्व देखभाल का अभाव, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता में कमी और समाज में महिला स्वास्थ्य के प्रति उपेक्षा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी भयावह है जहां महिलाएं अकसर बिना किसी चिकित्सीय मदद के घर पर ही प्रसव करने को मजबूर होती हैं।

भारत की स्वास्थ्य सेवाओं में सबसे बड़ा अंतर शहरी और ग्रामीण इलाकों के बीच है। शहरों में निजी अस्पतालों की भरमार है, जो महंगे हैं, लेकिन आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। वहीं गांवों में सरकारी अस्पताल भी दूर–दराज हैं और वहां योग्य डॉक्टरों की भारी कमी है। ग्रामीण भारत की लगभग 70 फीसदी आबादी केवल 30 प्रतिशत डॉक्टरों पर निर्भर है। यही नहीं, भारत में प्रति 1000 लोगों पर केवल 0.8 डॉक्टर उपलब्ध हैं, जबकि डब्ल्यूएचओ का मानक 1:1000 है।

स्वास्थ्य सेवाएं कितनी सुलभ हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत में केवल 30 फीसदी लोग ही किसी न किसी प्रकार के स्वास्थ्य बीमा से कवर हैं। बाकी लोग बीमारी की स्थिति में जेब से खर्च करने को मजबूर होते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 6 करोड़ लोग सिर्फ इलाज पर खर्च के चलते गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। सरकार की आयुष्मान भारत योजना एक बड़ी पहल है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसके लाभार्थियों को लेकर पारदर्शिता, अस्पतालों की भागीदारी और धोखाधड़ी की शिकायतें भी देखने को मिलती हैं।

यह सवाल हर भारतीय को खुद से पूछना चाहिए। अगर यह दिवस केवल भाषण, रंगोली प्रतियोगिता और सेमिनारों तक सीमित रह गया, तो यह एक खोखली परंपरा बनकर रह जाएगा। लेकिन अगर इस दिन को स्वास्थ्य नीति पर पुनर्विचार, बजट में वृद्धि, और गरीबों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी की दिशा में उठाया गया कदम बना दिया जाए- तो इसका असल महत्व सिद्ध होगा।

यह दिवस एक अवसर है याद दिलाने का कि स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर है सामाजिक विषमता के खिलाफ आवाज उठाने का, और एक ऐसे तंत्र को विकसित करने का जहां स्वास्थ्य सुविधा जाति, धर्म, वर्ग या क्षेत्र के आधार पर नहीं, बल्कि मानवता के आधार पर उपलब्ध हो।

भारत एक युवा देश है, लेकिन अगर उसकी युवा शक्ति कुपोषण, मानसिक तनाव, और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी से जूझती रहेगी, तो यह जनसंख्या बोझ बन जाएगी। हमें याद रखना चाहिए कि केवल आर्थिक विकास, बुलेट ट्रेन या स्मार्ट सिटी नहीं, बल्कि एक स्वस्थ नागरिक ही किसी देश की असली ताकत होता है।

इस विश्व स्वास्थ्य दिवस पर हमें सिर्फ जागरूक होने की नहीं, जवाबदेही तय करने की जरूरत है- सरकार, समाज और स्वयं अपनी भी। क्योंकि जब तक भारत का आखिरी नागरिक भी स्वस्थ नहीं होगा, तब तक हम सच्चे अर्थों में एक विकसित राष्ट्र नहीं बन सकते।

स्वास्थ्य बीमा: बीमार हो गए तो बर्बाद, नहीं हुए तो ठगे गए!

बीमा करवा लो भैया, नहीं तो हॉस्पिटल में खटिया खींचनी पड़ेगी!

ये वाक्य सुनते ही सक्सेना जी ने गहरी सांस ली, माथे पर हाथ रखा, और बोले,

पर भैया, जब से बीमा करवाया है, तब से मच्छर भी काटने से डरता है!

दरअसल, ये किस्सा है सक्सेना जी का — उम्र 52, नौकरीपेशा, सालों से मेडिकल बीमा लिए बैठे हैं, और आज तक एक गोली भी नहीं खाई सरकारी खर्चे पर।

बीमा एजेंट का नाम है सुरेश, जो हर साल नई स्कीम लेकर सक्सेना जी के दरवाज़े पर ऐसे आता है जैसे LIC का देवदूत। इस बार का प्लान तो ऐसा है कि बीमार होने की इच्छा जाग उठे!

सुरेश ने मुस्कराते हुए कहा।

सक्सेना जी बोले, पिछले प्लान में तो क्लेम करते–करते हम ठीक हो गए थे! अस्पताल ने कहा – 'कैशलेस नेटवर्क में नहीं हैं', बीमा कंपनी बोली – 'ये बीमारी तो अपवाद में आती है', और डॉक्टर ने कहा – 'अब आप घर जाइए, फिजूल का खर्चा क्यों बढ़ाना!'

बीमा का गणित समझिए

1. अगर बीमार नहीं हुए लो जी, पैसे गए पानी में! पत्नी ताने देती है ङ्क हर साल प्रीमियम देते हो, कोई फायदा तो हुआ नहीं!

2. अगर हल्के–फुल्के बीमार हुए्सर, 24 घंटे भर्ती नहीं हुए? तो क्लेम नहीं मिलेगा।

3. अगर गंभीर रूप से बीमार हुए् सर, ये बीमारी आपके प्लान में नहीं आती। आपको सुपर–टॉपअप लेना था!

4. अगर प्लान में सबकुछ था् सर, कागज़ पूरे नहीं हैं, पैन कार्ड की फोटोकॉपी साफ़ नहीं है, बैंक स्टेटमेंट 3 महीने पुराना है। क्लेम रिजेक्ट।

अब बात करते हैं उस कैशलेस सपने कीज्बीमा एजेंट कहता है् सर, हमारे 5000 हॉस्पिटल से टाई–अप है।

पर जब आप बीमार होकर पास वाले अस्पताल में पहुंचते हैं, तो रिसेप्शन पर बैठा व्यक्ति कहता है् सर, हमारा नेटवर्क तो 3 महीने पहले हटा लिया गया। पेमेंट कर दीजिए, बाद में क्लेम डालिएज् शायद मिल जाए।

सक्सेना जी की बीवी फुसफुसाती हैं् इतना पैसा भरने के बाद भी जेब से देना पड़ा? अच्छा होता गुलाबजल की बोतल ले लेते, कम से कम आंखों को राहत मिलती!

भारतीयों का दृष्टिकोण

स्वास्थ्य बीमा हमारे लिए वैसा ही है जैसे शादी के कार्ड में सादर आमंत्रण —

बड़ा सुंदर कागज़, सुनहरे अक्षर, फूलों की छपाई —

पर असली बात छोटी लाइन में लिखी होती है् सगाई समारोह केवल परिवार के लिए है।

बस यही हाल बीमा का है — सभी बीमारियाँ कवर हैं, सिवाय उन बीमारियों के जो क्लेम करते वक्त निकलती हैं।

निष्कर्ष बीमा एक ऐसा रिश्ता है जो ज़रूरत पर कभी साथ नहीं देता, लेकिन हर साल रिश्ता निभाने के लिए पैसे मांगता है।

और अंत में फिर वही एजेंट, वही मुस्कान, वही फाइलें लेकर आ जाता है

सर, इस बार का प्लान ऐसा है कि भर्ती हुए बिना ही पैसा मिल जाएगा!

सक्सेना जी धीरे से कहते हैं,

अब तो लगता है बीमा सिर्फ बीमा कंपनी की सेहत के लिए होता है।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

वक्फ कानून के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन की असली वजह क्या?

पिछले हफ्ते, वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को संसद के दोनों सदनों में दो दिन की मैराथन बहस के बाद पारित कर दिया गया। इस पर राष्ट्रपति की मुहर भी लग गई है। यानी अब यह कानून बन गया है। अब देश के विभिन्न हिस्सों में कुछ मुस्लिम संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। अधिकांश विपक्षी दल इन विरोध प्रदर्शनों का समर्थन कर रहे हैं और कुछ विपक्षी सांसदों ने इस विधेयक को लेकर पहले ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दी है। यह संभव है कि ये प्रदर्शन जल्द ही समाप्त हो जाएं, लेकिन यह भी उतना ही संभव है कि ये लंबे समय तक चलते रहें, जैसे नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह कानून असंवैधानिक है क्योंकि यह संविधान के अनुच्छेद 26 द्वारा प्रदत्त अधिकारों में हस्तक्षेप करता है। यह अनुच्छेद किसी भी धार्मिक समूह या संप्रदाय को धार्मिक और परोपकारी उद्देश्यों के लिए संस्थाएं स्थापित करने और उन्हें संचालित करने, अपने धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने, चल और अचल संपत्ति के स्वामित्व और अधिग्रहण का अधिकार, तथा कानून के अनुसार उस संपत्ति का प्रशासन करने का अधिकार देता है।

सरकार का तर्क है कि वर्तमान वक्फ अधिनियम में बदलाव इसलिए आवश्यक हैं क्योंकि वक्फ बोर्डों का कार्य पारदर्शी नहीं है, जिससे कई कानूनी विवाद उत्पन्न हुए हैं-खासकर इसलिए क्योंकि बोर्ड किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित कर सकते थे। गैर–मुस्लिमों की धार्मिक और अन्य संपत्तियां भी खतरे में थीं। इसके अलावा, इस विधेयक को कैथोलिक समुदाय के कुछ वर्गों का भी समर्थन प्राप्त है। लेकिन असली मुद्दा विधेयक नहीं है। असली मुद्दा भारत की दूसरी सबसे बड़ी धार्मिक आबादी और सरकार के बीच लगभग पूर्ण रूप से टूट चुके विश्वास का है। सवाल यह है कि जब यह भरोसा टूट जाए तो कोई भी सरकार कैसे शासन चला सकती है या सामाजिक सौहार्द बनाए रख सकती है?

याद कीजिए, सीएए भी भारत के मुसलमानों के बारे में नहीं था, फिर भी वह उन्हें आहत करने में सफल रहा। आज भले ही वक्फ विधेयक वक्फ बोर्डों और सीडब्ल्यूसी के शासन में सुधार लाए, लेकिन बड़ी संख्या में मुसलमानों को लगता है कि सरकार उनके खिलाफ साजिश कर रही है। और कोई भी प्रतीकात्मक प्रयास-जैसे अल्पसंख्यकों को ईद पर दिए गए 'सौगात–ए–मोदी' किट- इस अविश्वास को खत्म नहीं कर सकते।

यह अविश्वास विपक्षी दलों द्वारा भी भड़काया जा रहा है, जो भविष्य के चुनावों में अल्पसंख्यकों का सामूहिक वोट चाहते हैं। लेकिन यह कहना भी वैसा ही है जैसे यह कहना कि बीजेपी हिंदुओं के सामूहिक वोट की चाहत रखती है। अगर अविश्वास है तो उसे संबोधित करना होगा। केवल प्रतीकात्मकता से कुछ नहीं बदलेगा।

इस तनावपूर्ण स्थिति का अंत तब तक नहीं हो सकता जब तक सरकार मुसलमानों (और ईसाइयों) के साथ व्यापक संवाद की दिशा में कदम नहीं उठाती। लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि यह अविश्वास सरकार और अल्पसंख्यकों के बीच ही नहीं, बल्कि हिंदू और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच भी है। केवल सरकार इस समस्या को हल नहीं कर सकती, भले ही आम धारणा यह हो कि वह केवल हिंदुओं के हितों की रक्षा कर रही है।

दक्षिण भारत में मंदिरों को राज्य के नियंत्रण से मुक्त कराने की मांग वाली याचिकाओं को याद कीजिए-सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें एक दशक से भी अधिक समय तक अनदेखा किया और अंततः इन्हें हाई कोर्ट्स को भेज दिया, जबकि मोदी सरकार के वकील ने इस विचार का समर्थन किया। लेकिन धारणाएं इतनी आसानी से नहीं बदली जा सकतीं। शुरुआत के तौर पर, सरकार को वक्फ विधेयक का विरोध कर रहे संगठनों से संवाद शुरू करना चाहिए। वह यह वादा कर सकती है कि जो भी मांगें वास्तविक होंगी -और जो अन्य समुदायों को प्रभावित नहीं करतीं या वक्फ को फिर से कुप्रबंधन की ओर नहीं ले जातीं-उन्हें विधेयक में शामिल किया जाएगा।लेकिन इसके बाद एक व्यापक संवाद की आवश्यकता है, जिसमें हिंदू और मुस्लिम संगठनों को एक–दूसरे के साथ बैठकर अपनी शिकायतें और सीमाएं स्पष्ट रूप से रखनी चाहिए। समझौते लेन–देन की भावना पर आधारित हो सकते हैं। मुद्दों में गौ रक्षा से लेकर मॉब लिंचिंग,सड़कों पर नमाज और धर्मांतरण गतिविधियों की नैतिक सीमाएं शामिल हो सकती हैं। यह मानना निरर्थक है कि केवल कानून से अविश्वास दूर हो सकता है, जबकि इतने सारे मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं और विभाजन की पीड़ा आज भी जीवित है।

साथ ही, मुसलमानों को आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है कि समुदाय सुधार के प्रति इतना प्रतिरोधी क्यों है। क्यों 20 करोड़ से अधिक की आबादी वाला–दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मुस्लिम समुदाय- हर स्थिति में खुद को पीड़ित के रूप में देखता है?

इसके अलावा, भारत के मुस्लिम यह नहीं मान सकते कि केवल भारत में अल्पसंख्यकों के साथ क्या होता है, यही मायने रखता है; उन्हें अपने पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों के समर्थन की भी परवाह करनी चाहिए। कई हिंदुओं को उअअ के प्रति मुस्लिम विरोध पसंद नहीं आया।

सभी विभागीय अधिकारी ई-ऑफिस प्रणाली का सुचारू रूप से करें क्रियान्वयन-कलेक्टर

कलेक्टर ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

सुशिल सोनी । सिटी चीफ । अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा है कि अनूपपुर जिले में ई-ऑफिस प्रणाली की शुरुआत हो चुकी है। सभी अधिकारी ई-ऑफिस प्रणाली का सुचारू रूप से क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। सभी विभागीय अधिकारी शासन की मंशा के अनुरूप ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही फाइल का आदान-प्रदान करें तथा कलेक्टर कार्यालय को प्रेषित करें, जिससे समय पर शासकीय कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने अधीनस्थ लिपिकों को भी ई-ऑफिस प्रणाली को गंभीरता से सीखने एवं ई-ऑफिस प्रणाली में दक्षता लाने हेतु निर्देशित करें, ताकि जिले में सभी कार्य ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से संचालित किए जा सकें। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी श्रीमती अंजलि द्विवेदी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ श्री सुधाकर सिंह बघेल सहित जिले के विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अवकाश आवेदन ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही कलेक्टर कार्यालय में प्रेषित करें तथा बिना अनुमति के मुख्यालय ना छोड़े। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी डिजिटल साइन रजिस्ट्रेशन (डीएससी) एवं ई-साइन प्रणाली में प्राथमिकता के आधार पर रजिस्ट्रेशन करा लें, जिससे ई-ऑफिस प्रणाली के अंतर्गत दस्तावेजों में डिजिटल हस्ताक्षर किया जा सके। उन्होंने एनआईसी विभाग के अधिकारी को जिले के सभी विभाग प्रमुखों के डिजिटल साइन एवं ई-साइन प्रणाली में रजिस्ट्रेशन कराने के संबंध में आवश्यक सहयोग हेतु निर्देशित किया। बैठक में कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि लोगों को जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में बेहतर से बेहतर चिकित्सकीय सुविधा का लाभ मिले, इस हेतु डॉक्टरों की व्यवस्थित ड्यूटी लगाई जाए तथा सार्थक एप पर डॉक्टर्स एवं चिकित्सकीय अमले की ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित कराया जाए। बैठक में कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को यह भी निर्देश दिए कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जो भी जांच मशीन एवं अन्य उपकरण खराब हो गए हैं, उन्हें तत्काल सुधरवाना सुनिश्चित किया जाए, जिससे लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही बेहतर जांच सुविधा मुहैया हो सके। बैठक में कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी से कक्षा 9वी एवं कक्षा 11 वीं के घोषित परीक्षा परिणाम के संबंध में चर्चा की तथा निर्देशित किया कि जो बच्चे कक्षा 9वी एवं 11वीं में अनुत्तीर्ण हुए हैं, उनके लिए ग्राम स्तरीय दल गठित करें तथा डोर-टू-डोर सर्वे कर बच्चों एवं उनके परिजनों को पुन: उसी कक्षा में प्रवेश दिलाने हेतु समझाइश दी जाए तथा सभी बच्चों को प्रवेश दिलाते हुए उन बच्चों के पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर एवं गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने हेतु जिले के 256 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास अंतर्गत विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित को बढ़ावा देने के लिए स्टेम लैब की स्थापना के लिए उपकरण मंगाए गए हैं। इस हेतु विद्यालयों में एक कमरा चयनित कर स्मार्ट क्लास बनाया जाए। उन स्मार्ट क्लासों में उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। ताकि विद्यार्थियों को एक आकर्षक और इंटरैक्टिव शिक्षण वातावरण मिल सके और नवाचार के लिए प्रेरित किया जा सके। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि समग्र पोर्टल से ई-केवाईसी हेतु जिले में 13 अप्रैल से अभियान चलाया जाएगा। जिसमें रोजगार सहायक, पटवारी एवं मोबिलाइजर द्वारा डोर-टू-डोर सर्वे कर ई-केवाईसी कार्य कराया जाएगा। उन्होंने ई-केवाईसी कार्य की निरंतर बैठकें आयोजित कर मॉनिटरिंग करने के निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को दिए। बैठक में कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को अपने कार्यों में गंभीरता तथा शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अक्षरश: पालन करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने नल जल योजना, उद्यानिकी विभाग, विद्युत विभाग, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, सहकारिता विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागों के विभागीय कार्यों की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अदभुत है हमारी सनातन संस्कृति- मंत्री श्री दिलीप जायसवाल

श्रीराम पथ गमन मार्ग सीतामढ़ी में होंगे विकास के कार्य- मंत्री श्री दिलीप जायसवाल

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, प्रभु श्री राम ने वनवास के दौरान माता जानकी के साथ जिन स्थानों पर भ्रमण किया, ऐसे स्थानों को राम पथ गमन मार्ग के अंतर्गत चिन्हित करने का कार्य भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा किया गया है जिनमें जिले के कोतमा विधानसभा क्षेत्र का सीतामढ़ी भी है। क्षेत्र के महत्व को ध्यान में रखते हुए यहां की पुरातन संस्कृति को सहेजने तथा पर्यटन विकास की संभावना को दृष्टिगत रख विकास के कार्य होंगे। मध्य प्रदेश की सरकार के मुखिया प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव इस हेतु कृत संकल्पित हैं। उक्ताशय के विचार मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने श्री रामनवमी पर्व के अवसर पर जनपद पंचायत अनूपपुर के ग्राम पंचायत खोड़री नंबर 01 के ग्राम कनवाही स्थित सीतामढ़ी में प्रभु श्री राम के प्राकट्य पर्व के अवसर पर रविवार 6 अप्रैल को संध्या में जिला प्रशासन के सहयोग से संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित सांस्कृतिक संध्या प्रकाट्य पर्व कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के आसंदी से संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय, एसडीएम कोतमा श्री अजीत तिर्की, एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य, जनपद पंचायत अनूपपुर के प्रभारी सीईओ श्री सुगंध प्रताप सिंह, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री उमेश पाण्डेय, जनपद सदस्य श्रीमती उर्मिला पाव, श्री देवेंद्र जायसवाल, श्रीमती हमेनवती सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी, कर्मचारी, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिन्ट मीडिया के पत्रकार तथा बड़ी संख्या में नागरिक, महिलाएं, पुरुष, युवा, बच्चे उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्री राम आदि-अनंत हैं। जब-जब अत्याचार, अनाचार, दुराचार बढ़ता है तब-तब प्रभु श्री राम का अवतरण पृथ्वी लोक में होता है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति अदभुत है। प्रभु श्री राम के प्राकट्य के समय ही सृष्टि की संरचना हुई। सृष्टि के संरचना के साथ ही चारों वेदों की संरचना हुई है। मंत्री श्री जायसवाल ने बताया कि प्रभु श्री राम के राम पथ गमन मार्ग के विकास के तहत सीतामढ़ी में सत्संग हॉल, यात्रियों के रुकने के लिए कक्ष तथा ऐतिहासिक सीतामढ़ी के बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जाएगा।

मंत्री श्री जायसवाल ने 23.50 लाख की लागत के ग्रेवल सड़क मार्ग का किया भूमि पूजन

मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने जनपद पंचायत अनूपपुर के ग्राम पंचायत जर्राटोला के ग्राम बोड़री चौक से जैताबहरा आदिवासी मोहल्ला तक ग्रेवल सडक निर्माण कार्य लंबाई 1400 मी लागत 23.50 लाख का भूमि पूजन किया।

बुंदेली लोक गायन, नृत्य नाटिका, भक्ति गायन से मंत्र मुग्ध हुए श्रोता श्री रामनवमी के पवित्र अवसर पर प्राकट्य पर्व के तहत मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से सीतामढ़ी में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर बुंदेली लोक गायन श्री गोविंद सिंह यादव एवं साथी गंजबसौदा, नृत्य नाटिका 'राम अर्पण' आकृति जैन एवं साथी भोपाल, भक्ति गायन श्री पवन तिवारी एवं साथी टीकमगढ़ द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया गया। कार्यक्रम की स्थानीय जनों ने मुक्त कंठ से सराहना की। कार्यक्रम का संचालन श्री पवन छिब्बर द्वारा किया गया।

सतना की बेटी मीनाक्षी सिंह मिस एशिया यूनिवर्स प्रतियोगिता के लिए हुई सलेक्ट

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, जिले का स्वाभिमान हर स्तर पर बढ़ाने वाली सतना जिले के एक छोटे से गांव की बेटी मीनाक्षी सिंह ने इस बार अपनी क्षमताओं को बढ़ाते हुए अपने देश का नाम रौशन करने की हैं। ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया है. जानकारी के लिए बता दे कि मीनाक्षी सिंह को अब तक मिस टीन ऐज (क्वीन ऑफ दा हट्स), मिस टीन इंडिया एवं मिस टीन एमपी जैसे कई बड़े अवार्डों से सम्मानित किया जा चुका है, जिसके चलते देश भर के लोगों एवं इन बड़ी प्रतियोगिताओं के आयोजकों की नज़र मीनाक्षी सिंह पर है।

मिस एशिया यूनिवर्स प्रतियोगिता क्या है सबसे पहले हम आपको इस प्रतियोगिता के बारे में बता दे कि मिस एशिया यूनिवर्स एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता है, जिसे मिस यूनिवर्स संगठन द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें दुनिया भर के विभिन्न देशों की खूबसूरत लड़कियां भाग लेती **बॉलीवुड डायरेक्टर्स एवं प्रोड्यूसर्स की नज़रे भी मीनाक्षी सिंह पर** बता दे कि मीनाक्षी सिंह जी को हालही में 2 बड़े बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स भी ऑफर किए गए है, जो कि अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है, ये दो प्रोजेक्ट्स उन्हें आदि योगी फिल्म प्रोडक्शन कंपनी द्वारा ऑफर किए गए थे **।कौन है मीनाक्षी सिंह, आइए बताते है।** 2007 में 1 सितंबर को जन्मी मीनाक्षी सिंह अपने माता पिता की एक लौती संतान है, वो सतना जिले के जैतवारा के समीप ग्राम नयागांव की रहने वाली है, उनके पिता माननीय सत्यभान सिंह जी ठेकेदार है एवं उनकी मां श्रीमती कीर्ति सिंह जी जनपद सदस्य है। इस एक और बड़ी उपलब्धि को हासिल करने के बाद मीनाक्षी सिंह जी ने बात चीत के दौरान बताया कि, अब तक उन्होंने काफी सारी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है, और हर प्रतियोगिता में उन्होंने अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर जीत हासिल की है, लेकिन ये चुनौती उनके लिए नई और अलग है, उन्होंने कहा कि वो इसके लिए काफी एक्साइटेड और प्रिपेयर्ड है, निश्चित तौर पर ही वो इस प्रतियोगिता में भी जीत हासिल कर देश का नाम रौशन करेंगी। जानकारी के लिए बता दे कि यूएसए में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता से पहले इसके सिलेक्शन का अंतिम चरण मई के महीने में दिली में आयोजित होना है।

भाजपा जिला कार्यालय पर मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

जिले के प्रत्येक बूथ पर हुआ आयोजन, कार्यकर्ताओं ने घर घर लगाया भाजपा का झंडा

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस रविवार को जिला भाजपा कार्यालय सहित जिलेभर में हर्षोउल्लास व उमंग के साथ मनाया गया। भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष डॉ पांडे ने पार्टी का झंडा फहराया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ पांडे ने भाजपा के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा एक राष्ट्रवादी राजनीति दल है जो भारत को एक सदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृत संकल्पित है। भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ भाजपा का गठन 6 अप्रैल 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित कार्यकर्ता अधिवेशन में किया गया। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी व लाल कृष्ण आडवाणी से लेकर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक भाजपा पार्टी ने कई उतार चढ़ाव देखे व कार्यकर्ताओं की मेहनत व शीर्ष नेतृत्व के कुशल नेतृत्व के चलते आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में विद्यमान है। आगे उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज पूरे विश्व मे भारत का मान सम्मान बढ़ा है व भारत एक मजबूत एवं विकसित राष्ट्र की श्रेणी में निरंतर अग्रसर है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी के 46 वे स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के 837 बूथों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष डॉ पांडे ने पार्टी का झंडा फहराया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ पांडे ने भाजपा के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा एक राष्ट्रवादी राजनीति दल है जो भारत को एक सदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृत संकल्पित है। भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने के लिए सदैव समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया जिस गति से विकास कार्य नगर में चल रहा है उससे भी अधिक गति से नगर के विकास के लिए वह सदैव तत्पर व प्रयत्नशील रहेंगे। सभी स्वरूपों को समिति द्वारा पुरस्कृत किया गया। साहित्य के क्षेत्र में योगदान देने वाले मुजफ्फरनगर के डॉक्टर कीर्तिवर्धन को, शिक्षा के क्षेत्र में जड़ौदा जट्ट निवासी रामबोल शर्मा को, भारतीय संस्कृति व सनातनी परंपरा के लिए कार्य करने वाले पंडित कालिका प्रसाद को, संगीत के क्षेत्र में पूरनचंद अरोड़ा को, श्री राम ग्रुप कॉलेज के डायरेक्टर डॉक्टर एस एन चौहान को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में, समाज सेवा के क्षेत्र में नगर की प्रसिद्ध संस्था मानव कल्याण मंच के संस्थापक अध्यक्ष अरुण अग्रवाल को, ज्वालापुर के सनातनी समाजसेवी योगेश कुमार को, चिकित्सा के क्षेत्र में पश्चिम उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ संजीव सिंह एम डी को मंगल कलश भेंटकर सम्मानित किया गया। इस वर्ष के मुख्य आयोजक वीरेंद्र प्रताप सिंह व सहसंयोजक मुकुल गुप्ता ने संयुक्त रूप से सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महासचिव विजेंद्र कश्यप, सीता समूह की अध्यक्ष स्तुति शर्मा, अमित चौधरी, अनुज चौधरी, शुभम चौधरी, दीपांशु कश्यप, नितिन कुमार, रविंद्र कश्यप एडवोकेट, अमन कश्यप, नितिन सैनी, अंकुश कश्यप, आनंद शर्मा, शालिनी गोयल, विपिन अग्रवाल, आनंद शर्मा, कौशिकी शर्मा, वत्सल शर्मा, पृथु वत्स, अभिषेक अग्रवाल, श्रवण कुमार, नीरज, दीपिका, प्रतिमा चौधरी, पंडित अखिलेश शर्मा, ईश्वर शर्मा, रेखा शर्मा, मनोज शर्मा, पंडित विमल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

उप्र: जन कल्याण मंच के कार्यकर्ताओं ने सभी त्यौहार शांति पूर्ण ढंग संपन्न कराए जाने पर एसडीएम देवबंद का पटका पहनाकर किया स्वागत

मंच कार्यकताओं ने एसडीएम को नगर की कुछ प्रमुख समस्याओं से भी अवगत कराया, एसडीएम ने मंच को समस्याओं का शीघ्र समाधान कराए जाने का आश्वासन दिया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ देवबंद (सहारनपुर)। उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच के कार्यकर्ताओं ने सभी त्यौहार शांति पूर्ण ढंग संपन्न कराए जाने पर एसडीएम देवबंद युवराज सिंह का पटका पहनाकर स्वागत किया है। इस दौरान मंच के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम देवबंद युवराज सिंह को देवबंद नगर की कुछ प्रमुख समस्याओं से भी अवगत कराते हुए उनके जल्द समाधान की मांग की। एसडीएम युवराज सिंह ने मंच कार्यकर्ताओं को उक्त समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया है। इस दौरान चौधरी ओमपाल सिंह ने कहा कि देवबंद क्षेत्र में रमज़ान, अलविदा जुमा पर नमाज, ईद उल फितर एवं माता के नवरात्रों जैसे पवित्र त्यौहारों पर पुलिस-प्रशासन द्वारा सक्रियता एवं चौकसी बरतने के कारण क्षेत्र में सभी त्यौहार शांति से संपन्न हो गए है। जिसके लिए उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच के कार्यकर्ताओं द्वारा एसडीएम देवबंद युवराज सिंह का पटका पहनाकर स्वागत किया गया है। चौधरी ओमपाल सिंह ने बताया कि इस दौरान मंच की ओर से एसडीएम युवराज सिंह को देवबंद नगर की कुछ प्रमुख समस्याओं से भी अवगत कराते हुए उनका जल्द समाधान कराने का आग्रह किया गया है। एसडीएम युवराज सिंह ने उन्हें समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया है। इस दौरान दिनेश ऋषि, डॉक्टर कल्याण सिंह, अंग्रेज पवार, शिव कुमार कश्यप, राकेश भगत, देवपाल राणा, सुखबीर, खेमकरण, विराज देशवाल आदि काफी मंच सदस्य मौजूद रहे।

श्री रामनवमी शोभायात्रा आयोजन समिति के तत्वाधान में देवबंद नगर में भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ देवबंद (सहारनपुर)। श्री रामनवमी शोभायात्रा आयोजन समिति के तत्वाधान में देवबंद नगर में भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ संस्कार भारती के प्रांतीय महासचिव इंद्रपाल शर्मा, नगर पालिका परिषद देवबंद के अध्यक्ष विपिन गर्ग, डॉक्टर संजीव सिंह एम डी ने संयुक्त रूप से किया। उपस्थित राम भक्तों को संबोधित करते हुए समिति के संस्थापक, अध्यक्ष डॉ लोकेश वत्स ने कहा कि भगवान श्रीराम का चरित्र अनुकरण करने से इस भौतिक जगत में हमें कष्ट नहीं होते और भगवान श्रीराम के नाम का सुमिरन करने से हमें उस परलोक में भी कष्ट नहीं होते। अत: भगवान श्रीराम का नाम जपते रहना चाहिए और मर्यादित जीवन जीना चाहिए। मुख्य अतिथि आईपी शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीराम के चरित्र का अनुसरण करने से हमें जीवन में कभी दुख का सामना नहीं करना पड़ता। वह अंतर्यामी है, कृपा करते हैं। नगर पालिका परिषद देवबंद के अध्यक्ष विपिन गर्ग ने कहा कि भगवान श्रीराम सर्वव्यापी हैं उनके जीवन से प्रेरणा लेकर जनहित में समाज के

स्थापना दिवस के अवसर पर ग्रामीण जनों को सौगात

उज्जैन

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्र के विधायक द्वारा आज नागदा खाचरोद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अमलावदिया में सीसी रोड़ लागत राशि 9 लाख रु का भूमिपूजन किया और ग्रामवासियों को सीसी सड़क की सौगात दी इसके साथ ही आज ही ग्राम के हितग्राहियों को पट्टों का वितरण किया जिससे ग्रामीण जनों में खुशी का माहौल है इस अवसर पर ग्राम वासियों ने क्षेत्र के विधायक डॉ तेज बहादुर सिंह चौहान को धन्यवाद ज्ञापित किया और इस कार्यक्रम के अवसर पर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष गोवर्धन परिहार पूर्व मंडल अध्यक्ष लाल सिंह आंजना सरपंच दिनेश आंजना पार्टी के पदाधिकारी गण कार्यकर्ता एवं ग्रामीण बंधु और वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

नत्या बहन चलेगी संयम की राह पर - 30 अप्रैल को लेगी जैन भगवती दीक्षा

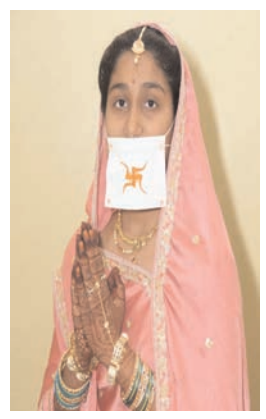

झाबुआ

परिजनों ने रावटी पहुँच कर प्रवर्तकश्री जिनेन्द्रमुनिजी को सौंपा आज्ञा-पत्र

थांदला। इस पृथ्वी पर अनेक स्थान है जो अलग-अलग कारणों से प्रसिद्धि को प्राप्त है उन्ही में भारत देश के दिल कहे जाने वालें मध्यप्रदेश का झाबुआ जिला भी अनेक कारणों से प्रसिद्ध है, इसी झाबुआ ज़िलें की धड़कन है थांदला नगर जो हिंदुत्व की अलख जगाने वालें भक्त मलुकदासजी, सरस्वती नन्दन स्वामीजी, जैन जगत के शिखर पुरुष जैनाचार्य पूज्य श्री जवाहरलालजी, पुण्यसागरजी व जन-जन की आस्था केंद्र पूज्य जैनाचार्य श्री उमेशमुनिजी म.सा. अणुफ्र जैसे महापुरूषों की विशिष्ट साधना से ऊर्जावान है। ऐसे में सैकड़ो आत्माओं ने यहाँ से ऊर्जा प्राप्त कर अपना आत्म कल्याण किया है। जैन समाज का इतिहास भी थांदला नगर के जिक्र बिना अधूरा है उसका कारण है यहाँ की अनेक आत्माओं ने इन विशिष्ट आत्माओं की उत्तम जीवन साधना से प्रेरित होकर उनके बताए मार्ग का अनुसरण किया है। थांदला नगर में एक बार फिर ऐसी ही विशिष्ट आत्मा संयम की राह पर चलने को अग्रसर हो रही है।

नगर के धनाढ्य विशिष्ट गेंदालाल शाहजी परिवार की तीसरी पीढ़ी में जन्मी सुजानमलजी शाहजी की पौती व मनीष शाहजी की युवा पुत्री नव्या शाहजी ने संयम रुचिका पूज्या श्री संयमप्रभाजी म.सा. के पास आध्यात्म की शिक्षा प्राप्त कर उनके श्रीचरणों में अपना शेष जीवन समर्पित कर एकांत मोक्ष की साधना का मन बना लिया है। शाहजी परिवार में नाजो से पली नव्या के उत्कृष्ट भावों को माता पिता ने बधाया व उसके दृढ़ वैराग्य की परीक्षा के साथ उसे बढ़ाया है। नव्या के संयमी मार्ग को प्रशस्त करने उन्हें सांसारिक बंधनों से मुक्त करते हुए दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची सहित शाहजी परिवार, धर्मदास गण परिषद अध्यक्ष भरत भंसाली संग सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं के साथ रतलाम शहर के रावटी में विराजित पूज्य प्रवर्तक श्री जिनेंद्रमुनिजी महाराज साहेब व उपस्थित संत सतियों के श्रीचरणों में उपस्थित होकर सहर्ष नव्या का आज्ञा-पत्र सौंपतें हुए गुरुदेव से दीक्षा तिथि घोषित करने की मांग की। प्रवर्तक श्रीजी ने मंगलकारी प्रवचन देकर नव्या बहन के भावों की अनुमोदना करते हुए आगामी 30 अप्रैल 2025 अक्षय तृतीया को थांदला में जैन भगवती दीक्षा की आज्ञा प्रदान की। जानकारी देते हुए संघ प्रवक्ता पवन नाहर ने बताया कि इस दिन थांदला में मुमुक्षु ललित भाई भंसाली भी प्रवर्तक श्री से दीक्षा अंगीकार कर उनके शिष्य बन जायेंगें वही थांदला में चल रहे 72 वर्षीतप आराधकों के साथ देश के अन्य राज्यों से करीब 350 तपस्वी अपनी वार्षिक आराधना में लगे दोषों का प्रवर्तक श्री से प्रायश्चित लेंगें व अपने तप को पूर्ण करेंगें। श्रीसंघ अध्यक्ष भरत भंसाली, सचिव प्रदीप गादिया धर्मलता महिला मण्डल अध्यक्ष पुष्पा घोड़ावत, सचिव किरण श्रीश्रीमाल, ललित जैन नवयुवक मंडल अध्यक्ष रवि लोढ़ा, सचिव संदीप शाहजी, अणु बाल मण्डल अध्यक्ष विशेष तलेरा सचिव विरल शाहजी के नेतृत्व में विभिन्न समितियो का गठन कर जैन भगवती दीक्षा व वर्षीतप आराधकों की तप अनुमोदना में पधारने वाले हजारों गुरुभक्तों के आतिथ्य की जिम्मेदारी सौंप दी है। उल्लेखनीय है कि दीक्षार्थी भाई ललित व बहन नव्या की जयकार यात्रा एक दिन पूर्व 29 अप्रैल को प्रातः 8 बजे निज निवास से निकलेगी जिसका लाभ शाहजी व भंसाली परिवार द्वारा संयुक्त रूप से लिया गया है वही समस्त वर्षीतप आराधकों की तपस्या अनुमोदना व स्वामी वात्सल्य का लाभ शांता देवी सुरेन्द्रकुमार (नाकुसेठ) तलेरा परिवार के पुत्र प्रफुल्ल व राकेश तलेरा ने लिया है। धर्मदास गण परिषद, थांदला श्रीसंघ व शाहजी, भंसाली व तलेरा परिवार ने सभी गुरुभक्तों व वर्षीतप आराधकों से अधिक से अधिक संख्या में थांदला पधारने का आग्रह किया है।

रूनखेडा हाई सेकंडरी स्कूल में रंगोली, चित्रकला प्रतियोगिता

उज्जैन

जल संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए 16 जून तक चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सोमवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुनखेडा में बच्चों के द्वारा रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। बच्चों ने जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश देती शानदार चित्रकारी एवं रंगोली बनाई। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर पुरस्कृत किया जाएगा । कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य श्रीमती इंदिरा कुंवर देवडा ने अपने उद्बोधन में बच्चों को जल संरक्षण एवं जल की महत्ता पर प्रकाश डाला वहीं यूथ एवं इक्कों क्लब प्रभारी रणछोड़ जी नायमा ने पर्यावरण एवं पेड़ पोधो लगाने के लिए बच्चों को प्रेरित किया गया इस अवसर पर विघालय के वाईस प्रिंसिपल विकास गुर्जर एवं, जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रभारी संजय शर्मा, अकाउंटेंट महेश पांचाल, जन शिक्षक अजय चौहान, अतिथि शिक्षक दीनेश चौधरी, महेंद्र सिंह, संतोष वरतिया, किरण गुर्जर,सोनम वर्मा, वंदना अवस्थी आपरेटर रवि लिमबोला, राजेश जाटवा आदि विशेष रूप से उपस्थित थे ।

डूंगर बाबा की जड़ी बूटी नो जोवनार विषय पर जिला स्तरीय कार्यशाला हुई आयोजित

झाबुआ

झाबुआ- डूंगर बाबा नी, जड़ी बूटी नो जोवनार झाबुआ के आदिवासी आयुर्वेद औषधि के ज्ञान को संजोने का एक प्रयास विषय पर इक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन झाबुआ के अंबा पैलेस रखा गया । जिसमें आयुष विभाग एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के साझा समन्वय से इसे आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न जड़ी बूटियों के स्टॉल लगाए गए थे जिसमें सभी ब्लॉक के जड़ी बूटी की जानकार लोग मौजूद थे । कार्यक्रम के आमंत्रित अतिथि राज्य मंत्री निर्मला भूरिया, जिला कलेक्टर नेहा मीना, एस डी एम भास्कर गाचले, भाजपा जिला अध्यक्ष भानु भूरिया, प्रदेश अध्यक्ष अ. ज. जा. मोर्चा कलसिंह भाबर थे। इन्होंने सभी स्टालों पर जड़ी बूटी की जानकारी ली । भगवान धवंतरी का पूजन आमंत्रित अतिथि के द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन कर रहे मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक बी. एस. डामोर ने सभी अतिथियों का परिचय देते हुए इस कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत करवाया । स्वागत भाषण देते हुए जिला आयुष विभाग से प्रमिला चौहान ने बताया कि पहली बार आयुष विभाग एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ने मिलकर यह नवाचार किया है , जिसमें हमने 157 जड़ी बूटियों के जानकारों को खोजा है और उनके ज्ञान को लिपिबद्ध किया है । इससे पहले ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला हुई थी, अब जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन रखा गया है। कार्य शाला को संबोधित करते हुए कल सिंह भाबर ने कहा कि मनुष्य धरती मां की गोद से सीखता है । ये ग्रामीण अनपढ़ जरूर है पर ज्ञान में बहुत आगे हैं । हमारी धरती आयुर्वेद से भरी हुई है जिन पर कई प्रकार की औषधीया हैं जिनसे बड़ी से बड़ी बीमारियां समाप्त हो जाती है। भाजपा जिला अध्यक्ष भानु भूरिया ने बताया कि यहां आकर इन लोगों से मुझे कई

प्रकार की जड़ी बूटियो के बारे में जानने को मिला ।व्यक्ति को किताबी ज्ञान की जगह प्राकृतिक ज्ञान होना आवश्यक है। यह जानकार लोग अपना ज्ञान दूसरों को भी अवश्य बांटे । और साथ ही झाबुआ जिले के हाथी पावा पर जड़ी बूटी के उत्पादन हेतु भी प्रयत्न करने को कहा। जड़ी बूटी के जानकारो में पेटलावद से विनोद मोहन लाल ने बताया कि लगभग 35 वर्ष से वे लोगों की सेवा कर रहे हैं और जड़ी बूटियों की दवाई दे रहे हैं । खुमान भाबर ढेबर बड़ी ने बताया कि कोरोना काल में हमने दवाइयां दी और लोगों को बचाया । खुमान महाराज सुजापुरा ने बताया कि वह उल्टी दस्त मलेरिया के प्रकार के रोगों की दवाइयां देते हैं।

इस अवसर पर कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि सभी जड़ी बूटी की जानकार यहां पर आए, सभी ने एक दूसरे का परिचय व जानकारी ली। यह सब मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद एवं आयुष विभाग की मेहनत का परिणाम है । हमें आपके ज्ञान को सहेजना आवश्यक है ।आपका ज्ञान हम आपकी आने वाली पीढ़ी को प्रदान करेंगे। लोग आयुर्वेद के बारे में जानते हैं पर विश्वास नहीं करते । हम सभी वैद्य लोगों के बारे में जानकारी रखेंगे और पुस्तक लिखेंगे। और इस पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म अभी बनाई जाएगी । राज्य मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि यहां पर सभी ब्लॉक से जड़ी बूटी के जानकार लोगों से हमें भी सीखना चाहिए । हमारे दादा परदादा जड़ी बूटियो से ही ठीक हो जाते थे। आज के समय में मेडिकल दवाइयां भी कारगर नहीं है । ये वेद्य तो बिना डिग्री के डॉक्टर होते हैं । और जड़ी बूटियो से कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता है । आयुष विभाग को इस दिशा में भरपूर प्रयास करना चाहिए। हमारे जिले की पिथौरा कला को पूरे देश में सम्मान मिला ऐसे ही इन देशज बढ़वो को भी सम्मान मिलना चाहिए ।हम भी प्रयास करेंगे की हमारे झाबुआ जिले में जड़ी बूटियो का संग्रहालय बने। कार्यक्रम के पश्चात सभी ब्लॉक से आए आयुर्वेदो को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए । कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन डॉ नवीन शर्मा ,(आयुष विभाग) के द्वारा किया गया ।इस अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के सभी ब्लॉक समन्वयक एवं नवांकुर के सेक्टर प्रभारी मौजूद रहे।

6 माह में लौटा दूंगा, आपके मोहल्ले का हूं... चोर ने दुकान में छोड़ी चिट्ठी

चिट्ठी पढ़कर पुलिस हैरान

खरगोन के जमींदार मोहल्ले में रॉयल फूड दुकान से ढाई लाख रुपये चोरी हुए। चोर ने एक चिट्ठी छोड़ते हुए मजबूरी में चोरी की बात कही और छह महीने में पैसे लौटाने का वादा किया। पुलिस इस अनोखे मामले की जांच कर रही है।

कर्ज की मजबूरी के कारण यह चोरी कर रहा हूं, आपके मोहल्ले का ही निवासी हूं। ढाई लाख रुपये की जरूरत है, इसलिए उतने ही ले जा रहा हूं। हां, छह महीने में वापस लौटा दूंगा। आपके ही मोहल्ले का हूं। खरगोन में रविवार रात को जमींदार मोहल्ले में कोल्ड ड्रिंक सप्लाई करने वाली रायल फूड दुकान में चोरी हो गई। काउंटर से ढाई लाख रुपये गायब था। इसके साथ ही चिट्ठी मिली है। चोर ने व्यापारी से चोरी के लिए माफी मांगी है। अगले छह महीने में रुपये लौटाने का वादा भी किया।

पुलिस चिट्ठी पढ़कर हुई हैरान 1 चोरी की सूचना पर मौके पर पहुंचे एएसआइ अशरफ खान ने बताया कि पत्र बरामद कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित व्यापारी जुजर बोहरा का कहना है कि दुकान में रखे बैग में कुल 2 लाख 84 हजार रुपये थे। अज्ञात चोर 2.5 लाख रुपए लेकर गया है। चोर दुकान में प्याऊ के ऊपर की तरफ से घुसा था।

2 पुलिस का कहना है कि इतनी चोरियां हुई है?। आरोपी गिरफ्तार किए हैं, लेकिन इस तरह की चिट्ठी पहली बार मिली है। इस चिट्ठी के माध्यम से चोर बकायदा ईमानदारी से रुपये लौटाने की बात कह रहा है।

छह महीने में लौटा दूंगा आपके पैसे 1 अज्ञात चोर ने दुकान में पत्र छोड़ा है। इसमें उसने दुकान मालिक से इसके लिए माफी मांगी। चिट्ठी में उसने लिखा कि मुझे पैसों की सख्त जरूरत है। मुझ पर बहुत कर्जा है। मैं आपके पैसे वापस लौटा दूंगा, लेकिन मुझे थोड़ा समय लगेगा।

2 मैंने पैसे नहीं चुकाए तो मुझे जेल हो जाएगी, इसलिए में रात में आपकी दुकान की पीछे वाली शटर के ऊपर से आके पैसे ले रहा हूं। मैंने उतने ही पैसे लिए हैं, जितना कर्जा चुकाना है। बाकी किसी भी सामान को कुछ नहीं करूंगा।

3 मैं छह महीने में आपके पैसे लौटा दूंगा। मैं सामने भी आ जाऊंगा। मैं आपसे और आपके बेटे दोनों से हाथ जोड़ के माफी मांगता हूं। मैं रामनवमीं के दिन चोरी कर रहा हूं। मेरा चोरी का इरादा नहीं था, लेकिन मैं बहुत मजबूर हूं।

4 आप चाहो तो छह महीने बाद मुझे पुलिस में दे देना, लेकिन अभी मेरा पैसे चुराना बहुत जरूरी है। मैंने आपको सारी बातें सच-सच बता दीं। अभी मैं सामने नहीं आ पाऊंगा। आप मुझे अच्छे से जानते भी हो। जब मैं आपके पैसे आपको वापस दूंगा, तब आप मुझे सजा दे देना। छह महीने बाद पुलिस में दे देना।

संगीत मैं शिव पुराण कथा

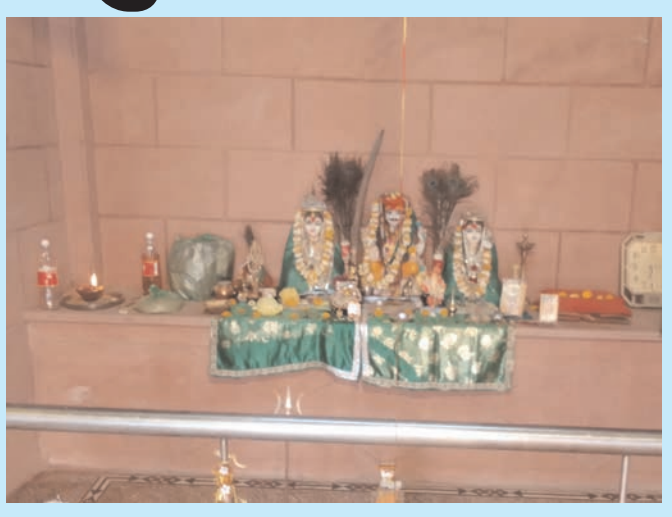

शाजापुर जय मल्हार मंदिर मूली खेड़ा रोड द्वारिका पुरी कॉलोनी शाजापुर पंडित श्री महेश शास्त्री द्वारा संगीत मय शिव महापुराण की महिमा एवं सनातन धर्म के बारे में अपनी मधुर वाणी से जनमानस भाव विभोर हो रहा है, आज कथा का चतुर्थ दिवस है। दस अप्रैल तक कथा का रसपान किया जा सकता है।

मक्का एवं डालर चने के वाहन मंडी पहुंचे

खरगोन जिले के कसरावद मे सोमवार को मंडी परिसर में पांच वाहन मक्का एवं दो वाहन डालर चने के नीलम हेतु आए । किसान सोहन ग्राम आघावन का डॉलर चना 9550 रुपये की बोली लगाकर राहुल ट्रेडर्स कसरावद के द्वारा खरीदा गया। किसान चेतन पटेल ओझरा की मक्का 1805 रुपये की बोली लगाकर फर्म मोतीलाल चंपालाल के द्वारा क्रय की गई। अनुमानित मक्का 145 क्विंटल पांच वाहन में विक्रय हेतु आए वहीं डॉलर चना अनुमानित 45 क्विंटल दो वाहन में आया । मक्का का उच्चतम भाव 1805 रुपए एवं न्यूनतम भाव 1685 रुपए वहीं डालर चने का भाव 9550 एवं न्यूनतम भाव 9400 रहा । प्रवेश से लेकर तौल नीलामी एवं भुगतान सभी ई-मंडी पद्धति से किया गया। इस अवसर पर मंडी सचिव आप सिंह किराड़े व्यापारी तुलसीदास अग्रवाल, कमल राठौर, सुखदेव पाटीदार, संजय पटेल मंडी कर्मचारी मनोज सलोन, धर्मेंद्र दाँगोड़े, महेश पाटीदार, अोमप्रकाश सिसोदिया, रेखा वास्कले, ममता ठाकुर आदि उपस्थित थे ।

पत्रकार के समर्थन में पत्रकारों ने बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाहा को ज्ञापन सौंपकर धमकी देने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग

बदनावर बखतगढ-सोमवार को पत्रकार अनूप जायसवाल के समर्थन में ग्रामीण पत्रकार संघ अध्यक्ष पोप सिंह राठौड़ पप्पी बना एवं उनकी टीम के द्वारा स्टेशनरी संचालक भूपेन्द्र जादौन के खिलाफ ज्ञापन सौंप कर के कार्यवाही की मांग की गई है। अब देखना होगा कि बदनावर पुलिस ज्ञापन के बाद पत्रकार को धमकी देने वाले व्यक्ति पर क्या कार्रवाई करती है। बता दें की बोराली निवासी अनुप पिता विष्णुलाल जायसवाल ने अपनी फेसबुक आईडी से दो पोस्ट डाली थी। पहली प्राईवेट स्कूलो की मनमानी कब बंद होगी (कमिशन वाली किताबें व कमिशन वाली वर्दी) एवं दुसरी जागो ग्राहक जागो बदनावर में मिल रहा स्टेशनरी पर बच्चों का अलग अलग कोर्स का रेट 1500/2400 । साथ ही पोस्ट में किसी व्यक्ति का कोई ज़िक्र नहीं था। लेकिन उक्त पोस्ट से जादौन स्टेशनरी बदनावर के संचालक भुपेन्द्र जादौन ने अपने लिए मान लिया और ।फरियादी अनुप के

मित्र धर्मेन्द्र अग्निहोत्री के सामने जान से मारने की धमकी दी ।साथ ही फरियादी के पिता विष्णुलाल के मोबाईल नम्बर 6263824574 पर अपने मोबाईल नम्बर 9425104433 से फोन कर धमकी दी और कहां की कि तुम्हारे पुत्र अनुप को समझा लो नहीं तो आपसी संबंध खराब हो जायेगे एवं मैं तुम्हारे पुत्र को जान से खत्म करवा दूंगा पत्रकारों ने बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाहा को ज्ञापन सौंप करके धमकी देने वाले भूपेंद्र जादौन के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करने की बात कहीं है साथ ही । भविष्य में फरियादी अनुप को कुछ होता है जिसकी सम्पुर्ण जवाबदारी भुपेंद्र जादौन की रहेगी?। इस मोके पर ग्रामीण पत्रकार संघ अध्यक्ष पोप सिंह पप्पी बना, उपाध्यक्ष मनोहर पाटीदार, उपाध्यक्ष सुरेश चौहान, संरक्षक प्रेमलता जायसवाल, उपाध्यक्ष शिवशंकर रिंगनोदिया, प्रदीप पंवार, गोर्वधन धबई,अजय पाटीदार,मोहित राठौड़, कमलसिंह राठौर, मदन सिंह देवड़ा, बन्टी चौहान,शिवम,मौजूद थे ज्ञापन का वाचन पोप सिंह राठौर ने किया आभार प्रदीप पंवार ने माना।

उत्साह से मनायी जाएगी महावीर जयंती

खेतिया महावीर जयन्ती को जैन धर्म के लोग महावीर स्वामी के जन्मोत्सव के रूप में मनाते हैं। महावीर स्वामी को वर्धमान के नाम से भी जाना जाता है। ये जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर हैं। उन्होंने ही जैन धर्म के मूल सिद्धातों की स्थापना की थी। हर साल चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है। महावीर स्वामी ने सभी को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे सिद्धांतों को अपनाने का संदेश दिया। इन पांच सिद्धांतों को ही पंच महाव्रत के नाम से जाना जाता है, जो जैन धर्म की नींव हैं।

महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल को, तैयारियों में जुटा समाज

भगवान महावीर स्वामी के 2624 वां जन्म कल्याणक महोत्सव खेतिया में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। श्रीजैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक खरंतरगच्छ संघ खेतिया के अध्यक्ष महीपाल बनेचन्द जैन एवं स्थानकवासी संघ के अध्यक्ष राजमल जैन ने बताया कि महावीर जयंती के अवसर पर विशेष आयोजन किया जा रहे हैं जिसके तहत प्रात: प्रभात फेरी,मंदिर जी से शोभा यात्रा तथा व महापूजन के साथ देर रात भक्ति संध्या भी आयोजित की गई है

सौरभ शर्मा की जमानत को लेकर कॉंग्रेसियों ने पुलिस को चकमा दे कर मुख्यमंत्री का पुतला दहन

नीमच नीमच के कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने सोमवार को सीएम मोहन यादव का पुतला जलाया और विजय टाकीज चौराहा पर जमकर नारेबाजी की। आय से अधिक संपत्ति मामले में सौरभ शर्मा की जमानत होने पर ये विरोध किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को प्रदर्शन किया। नीमच के स्थानीय गांधी भवन पर कॉन्ग्रेसी एकत्रित हुए। यहां नेताओं ने अपनी बात रखी। राकेश अहीर ने कहा की पुलिस भी सरकार की ही है। सौरभ शर्मा जिसकी गाड़ी में सोना मिला और ईडी की जांच चल रही मगर सरकार सौरभ शर्मा को बचाने का प्रयास कर रही है। सौरभ शर्मा के केस में ढील देकर बड़े नामों को बचाने की कोशिश सरकार कर रही है। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के केस में लोकायुक्त द्वारा समय पर चालान पेश न करने के कारण उसको इस केस में जमानत मिल गई है। उसको जमानत मिलने के बाद से ही कांग्रेस सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस इसे बड़े नामों को बचाने का तरीका बता रही है। भोपाल में सौरभ शर्मा के यहां से 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए से अधिक नकदी बरामद हुई थी। कांग्रेस का आरोप है कि प्रशासन और शासन की लापरवाही के कारण आरोपी को जमानत मिल गई। आरोप है की स्वयं मुख्यमंत्री के पास गृह विभाग है। फिर भी

प्रशासन की लापरवाही के कारण सही न्याय नहीं हो पा रहा है। पुलिस के आरोप पत्र दाखिल न करने के कारण सौरभ शर्मा को जमानत मिली है। यह सरकार की लापरवाही और भ्रष्टाचार को दर्शाता है।

कांग्रेसियों ने पुलिस को दिया चकमा और कर दिया पुतला दहन मुख्यमंत्री डॉ यादव के पुतला दहन के दौरान पुलिस कर्मी भी उपस्थित थे। कांग्रेस नेता गांधी भवन से एकत्रित होकर पैदल नारेबाजी करते हुए विजय टाकीज के तरफ आए और कुछ कार्यकर्ताओं ने पुलिस को चकमा देकर गली में पुतला जलाया और उसे मुख्यमार्ग पर ले आए । पुतला दहन रोकने हेतु पुलिस द्वारा फायर ब्रिगैड वाहन की भी व्यवस्था की गई थी लेकिन उसके पहुँचने के पहले ही पुतला दहन कर दिया गया। बाद में पुलिस ने पुतले का हिस्सा कब्जे में लिया और पानी से बुझाया।

पुतला दहन में यह उपस्थित थे पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान कॉंग्रेस जिलाध्यक्ष अनिल चौरसिया, जिला पंचायत सदस्य तरुण बाहेती, कॉंग्रेस नेत्री मधू बंसल, शहर युवक कॉंग्रेस अध्यक्ष मोनू लोक्स, युवक कॉंग्रेस अध्यक्ष राकेश अहीर, नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति, ब्रजेश मित्तल, आशा सांभर व रवि दीवान सहित अन्य कांग्रेसी नेता मौजूद

रतलाम में दो पक्षों के बीच तनाव, दुकान जलाई, एक गंभीर, भारी पुलिसबल तैनात

हिंसक भीड़ ने दुकान में लगाई आगज्ज्हालात काबू में

रतलाम- जिले में सोमवार की सुबह मामूली बात पर शुरु हुए विवाद ने देखते ही देखते दो पक्षों के बीच तनाव के हालात उतपन्न कर दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, किसी बात पर हुए विवाद में एक शख्स के साथ चाकूबाजी की गई, साथ ही दुकान में आग भी लगाई गई है, जिससे हालात बिगड़ गए और दोनों पक्षों के लोग आमने सामने आ गए। बताया जा रहा है कि, हालात बिगड़ने पर दोनों तरफ से पथराव भी हुआ है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल, इलाके में भारी पुलिसबल तैनात है। बता दें कि जिले के बिलपांक थाना इलाके के अंतर्गत आने वाले छोटे से गांव कमेड में ये विवाद हुआ है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, वली मोहम्मद नाम के आरोपी ने धानेरा में रहने वाले लाल सिंह पर चाकू से हमला कर घायल किया है। हालांकि, घायल को तत्काल ही जिला अस्पताल पहुंचा दिया गया है। लेकिन,

बाद में हालात बिगड़ने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने एक दुकान को आग के हवाले कर दिया है।

हिंसक भीड़ ने दुकान में लगाई आग इधर, जानकारी लगते ही बिलपांक थाना प्रभारी अय्यूब खान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हालात काबू करने का प्रयास किया। साथ ही, आला अधिकारियों को भी घटना से अवगत कराया। जानकारी लगते ही एडीशनल एसपी राकेश खाखा, एसडीओपी किशोर पटनवाला, एसपी अमित कुमार सहित कई सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। वहीं, जिला प्रशासन से ADM डॉ शालिनी श्रीवास्तव, SDM ग्रामीण विवेक सोनकर, तहसीलदार पिंकी साठे भी घटना स्थल पर मौजूद हैं। इलाके को पूरी तरह से छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

'हालात काबू में हैं' – मामले को लेकर एडीशनल एसपी राकेश खाखा ने बताया कि, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। बारी पुलिसबल तैनात कर दिया गया है। वहीं, रतलाम नगर निगम से बुलाई गई दमकल वाहन की सहायता से दुकान में की गई आगजनी पर भी काबू पा लिया गया है।

शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील एसडीओपी किशोर पटनवाला के अनुसार, आरोपी की तलाश जारी है। वहीं, हालात बिगाड़ने वालों को भी चिन्हित किया जा रहा है। वहीं, स्थानीय लोगों से भी शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है।

सांसद अनिल फिरोजिया ने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य भेंट की

तराना- सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य भेंट कर, उनसे भोपाल से इंदौर तक के सुपर एक्सप्रेसवे हाईवे को उज्जैन से जोड़ने हेतु माँग की, उज्जैन को जावरा, उदयपुर व बालोत्रा तक जोड़ने वाली 350 कि.मी. लंबी एक्सप्रेसवे सड़क की माँग की एवं तराना-गोलवा फँटा तक सड़क का चौड़ीकरण करने की माँग की है।

रामनवमी पर नगर कुक्षी में भव्य उत्सव मनाया गया , मंदिरों में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

श्रीराम मंदिर मे महाआरती कर पुजा अर्चना की गई।

श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर मे चैत्र नवरात्रि की महानवमी एवं मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामजी के जन्मोत्सव (रामनवमी) पर महाआरती एवं प्रसादी का आयोजन रखा गया

ब्राम्हण स्वर्णकार समाज द्वारा निकाली गई श्रीराम पालकी

कुक्षी - रामनवमी के अवसर पर शहर भर में भव्य उत्सव मनाया गया। मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी, जहां घंटों तक पूजा अर्चना और महाआरती का आयोजन किया गया। वही नगर के श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर मे चैत्र नवरात्रि की महानवमी एवं मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामजी के जन्मोत्सव (रामनवमी) पर महाआरती एवं प्रसादी का आयोजन रखा गया। देर शाम को ब्राम्हण स्वर्णकार समाज द्वारा भगवान श्रीराम जी की पालकी के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। आज शहर में रामनवमी के दिन हर जगह हर्षोल्लास का माहौल रहा। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का प्रकटोउत्सव धूमधाम से मनाया गया। दोपहर 12 बजते ही घर परिवार, मंदिरों में घंटे-घड़ियाल और ढोल-नगाड़े गूंजने लगे। श्रद्धा भाव से महाआरतियां की गई। अलसुबह से ही शहर के मंदिरों में रामलला की प्रतिमा के अभिषेक अनुष्ठान कर नवीन वस्त्र धारण कराएं गए। गर्भगृह को फूलों से सजाया गया था। देवालयों में राम जन्मोत्सव का उल्लास छाया रहा, दोपहर में हुई जन्मोत्सव आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहा। रामनवमी की तैयारियां शनिवार रात से मंदिरों में की जा रही थी। मंदिरों में अखंड रामायण पाठ की शुरुआत हुई जिसकी पूर्णाहुति आज सुबह की गई।

हेमन्त त्रिवेदी अध्यक्ष मनोनीत

तराना- स्थानीय तराना नगर औदिच्य ब्राह्मण समाज की गतिविधि को आगे बढ़ाने के लिए तराना नगर के सामाजिक बंधुओ ने वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र पाठक की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें सर्वानुमति से हेमंत त्रिवेदी को नगर अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। साथ ही श्री त्रिवेदी से अपेक्षा की गई की आपकी सामाजिक निष्ठा और लगन को देखते हुए आप तराना नगर के सभी समाज बंधुओ में जागरूकता लाने का कार्य करेंगे और समाज की समय-समय पर विभिन्न गतिविधियां संचालित सुचारू से होने लगेगी।

बाग में मां बाघेश्वरी के हाट में चढ़ाए अन्न-नारियल

आदिवासी समाज में शादियों के मुहूर्त की शुरुआत

नंगे पांव ढोल-ताशों के साथ पहुंचे मंदिर

बाग बाग में सोमवार को मां बाघेश्वरी का प्रसिद्ध हाट लगा। चैत्र नवरात्रि के बाद आने वाले इस सोमवार को हाट भरने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। प्रचंड गर्मी में भी ग्रामीणों की असीम श्रद्धा दिखाई दी और अपार जनसैलाब माताजी के हाट में शामिल हुआ ।माताजी के हाट में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। मंदिर में माता के दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। नवरात्रि में व्रत कर रही ग्रामीण महिलाएं सिर पर नारियल-कलश धारण कर प्रचंड गर्मी में नंगे पांव ढोल-ताशों के साथ मंदिर पहुंचीं।

श्रद्धालुओं ने नई फसल का अन्न और नारियल माता को अर्पित किया। महिलाओं ने माता का पूजन-अर्चन कर श्रीफल चढ़ाया और अपना नवरात्रि व्रत पूर्ण किया। भगोरिया हाट की तरह ही इस हाट में भी बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए। माता की आरती के बाद से आदिवासी समाज में शादी-विवाह और मांगलिक कार्यों का शुभारंभ होगा। रात्रि में मंदिर प्रांगण में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग ढोल-मांदल के साथ नृत्य करेंगे और रात्रि जागरण भी करेंगे।

गायों की दूध उत्पादन की जिला स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न

खरगोन-प्रदेश में गौवंशीय दुधारू नस्लों को बढ़ावा देने एवं उनके संरक्षण के लिए पशु पालन एवं डेयरी विभाग जिला खरगोन में प्रदेश एवं जिले की मूल नस्ल निमाड़ी तथा भारतीय उन्नत नस्ल गिर, साहिवाल एवं अन्य गायों की दूध उत्पादन की जिला स्तरीय प्रतियोगिता 06 अप्रैल एवं 07 अप्रैल 2025 को सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में निमाड़ी नस्ल के लिए 50 तथा भारतीय उन्नत नस्ल प्रतियोगिता में 83 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें प्रतिदिन दूध उत्पादन के आधार पर पृथक-पृथक 10-10 निमाड़ी एवं भारतीय उन्नत नस्ल की गायों का चयन कर जिला स्तरीय प्रतियोगिता विभागीय टीम बनाकर की गई। इस दौरान टीम ने तीन समय का दूध का मापन पशुपालकों के घर पर ही जाकर किया गया।

जितेन्द्र यादव की निमाड़ी नस्ल की गाय ने 9.22 लीटर दूध देकर पाया प्रथम स्थान प्रदेश एवं जिले की मूल नस्ल निमाड़ी गायों में प्रथम स्थान पर गोगावां विकासखण्ड के ग्राम बिलखेड़ निवासी श्री जितेन्द्र ओंकार यादव की गाय ने 9.22 लीटर, द्वितीय स्थान खरगोन विकासखण्ड के ग्राम घोटिया के श्री कमल रामेश्वर पाटीदार की गाय ने 8.79 लीटर एवं तृतीय स्थान गोगांवा विकासखण्ड के ग्राम कोठा बुजुर्ग के श्री चेतन बिहारीलाल की गाय

ने 6.6 लीटर प्रतिदिन दूध देकर प्राप्त किया है।

सुभाष पाटीदार की भारतीय नस्ल की गिर गाय ने 15.67 लीटर दूध देकर पाया प्रथम स्थान इसी प्रकार भारतीय उन्नत नस्ल की गायो में प्रथम स्थान महेश्वर विकासखण्ड के ग्राम मेहतवाड़ा के श्री सुभाष भगवान पाटीदार की गिर गाय ने 15.67 लीटर, द्वितीय स्थान महेश्वर विकासखण्ड के ग्राम मेहतवाड़ा के श्री भगवान फतुजी पाटीदार की गाय ने 14.47 लीटर एवं तृतीय स्थान खरगोन के श्री रविन्द्र मोहनलाल महाजन की गाय ने 14.39 लीटर प्रतिदिन दूध देकर प्रतियोगिता में अपना स्थान बनाया। पशुपालन एवं डेयरी विभाग जिला खरगोन के उपसंचालक डॉ. एलएस बघेल ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली गायो के गौ पालाकों को क्रमश: 51 हजार, 21 हजार एवं 11 हजार की राशी पुरस्कार के रूप में विभाग द्वारा प्रदान की जाएगी। साथ ही इनका रिकार्ड प्रदेश स्तर पर भेजा है। प्रदेश स्तर पर चयन होने पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली गायो को क्रमश: 02 लाख, 01 लाख तथा 50 हजार रुपये की राशि पुरस्कार के रूप में विभाग द्वारा प्रदाय की जाएगी।

कश्मीर में हुर्रियत से तीन और समूहों का अलग होना दर्शाता है संविधान में लोगों का भरोसा: अमित शाह

श्रीनगर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अलगाववादी संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से और तीन दल जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, जम्मू-कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग और कश्मीर फ्रीडम फ्रंट हुर्रियत से अलग हो गए हैं। उनका यह कदम संविधान में लोगों के भरोसे को दर्शाता है। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया के एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में कहा कि जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, जम्मू-कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग और कश्मीर फ्रीडम फ्रंट जैसे तीन और संगठनों ने हुर्रियत से खुद को अलग कर लिया है। यह घाटी के लोगों के भारत के संविधान में भरोसे का एक प्रमुख प्रदर्शन है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एकजुट और शक्तिशाली भारत का सपना आज और भी मजबूत हुआ है क्योंकि अब तक 11 ऐसे संगठनों ने अलगाववाद को त्याग चुके हैं और देश को मजबूत करने के लिए अटूट समर्थन की घोषणा की है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिवसीय जम्मू-कश्मीर की यात्रा पर हैं। सोमवार को शाह ने भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक अग्रिम चौकी का दौरा किया। केन्द्रीय मंत्री आज केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेंगे।

ब्रह्माकुमारीज की मुखिया राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का 101 साल की आयु में निधन

सिरोही/आबूरोड ब्रह्माकुमारीज की प्रमुख 101 वर्षीय राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी नहीं रहीं। उन्होंने अहमदाबाद के जाइडिस अस्पताल में रात 1:20 बजे अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को शांतिवन लाया जा रहा है, जहां मुख्यालय शांतिवन के कॉन्फ्रेंस हाल में अंतिम दर्शनार्थ रखा जाएगा। 10 अप्रैल को सुबह 10 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा। वो मात्र 13 वर्ष की आयु में ही ब्रह्माकुमारीज से जुड़ीं और पूरा जीवन समाज कल्याण में समर्पित कर दिया। 101 वर्ष की आयु में भी दादी की दिनचर्या ब्रह्ममुहूर्त में 3:30 बजे से शुरू हो जाती थी। सबसे पहले वह परमपिता शिव परमात्मा का ध्यान करतीं। राजयोग मेडिटेशन उनकी दिनचर्या में शामिल रहा। रतनमोहिनी का जन्म 25 मार्च 1925 को सिंध हैदराबाद के एक साधारण परिवार में हुआ। माता-पिता ने नाम रखा लक्ष्मी। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कल यही बेटी अध्यात्म और नारी शक्ति का जगमग सितारा बनकर सारे जग को रोशन करेगी। बचपन से अध्यात्म के प्रति लगन और परमात्मा को पाने की चाह में मात्र 13 वर्ष की उम्र में लक्ष्मी ने विश्व शांति और नारी सशक्तिकरण की मुहिम में खुद को झोंक दिया। दादी वर्ष 1937 में ब्रह्माकुमारीज की स्थापना से लेकर आज तक 87 वर्ष की यात्रा की साक्षी रही हैं। पिछले 40 से अधिक वर्ष से आप संगठन के ही युवा प्रभाग की अध्यक्षा की भी जिम्मेदारी संभाल रही हैं। उनकेन नेतृत्व में युवा प्रभाग द्वारा देशभर में अनेक राष्ट्रीय युवा पदयात्रा, साइकिल यात्रा और अन्य अभियान चलाए गए। दादी रतनमोहिनी में बचपन से ही भक्तिभाव के संस्कार रहे। छोटी सी उम्र होने के बाद भी आप अन्य बच्चों की तरह खेलने-कूदने के स्थान पर ईश्वर की आराधना में अपना ज्यादा वक्त गुजारती थीं। स्वभाव धीर-गंभीर था। पढ़ाई में भी होशियार होने के साथ प्रतिभा संपन्न रहीं हैं। दादीजी ने वर्ष 1937 से लेकर ब्रह्मा बाबा के अ?व्यक्त होने (वर्ष 1969) तक साये की तरह साथ रहीं। इन 32 साल में आप बाबा के हर पल साथ रहीं। बाबा का कहना और दादी का करना यह विशेषता शुरू से ही थी।

बहनों की ट्रेनिंग और नियुक्ति की कमान वर्ष 1996 में ब्रह्माकुमारीज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में तय हुआ कि अब विधिवत बेटियों को ब्रह्माकुमारी बनने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए एक ट्रेनिंग सेंटर बनाया गया और तत्कालीन मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि ने आपको ट्रेनिंग प्रोग्राम की हैड नियुक्त किया। तब से लेकर आज तक बहनों की नियुक्ति और ट्रेनिंग की जिम्मेदारी दादीजी के हाथों में रही। दादी के नेतृत्व में अब तक 6000 सेवाकेंद्रों की नींव रखी गई है।

युवा प्रभाग की संभाली कमान युवा प्रभाग द्वारा दादीजी के नेतृत्व में 2006 में निकाली गई स्वर्णिम भारत युवा पदयात्रा ने ब्रह्माकुमारीज के इतिहास में एक नया अध्याय लिख दिया। 20 अगस्त 2006 को मुंबई से यात्रा का शुभारंभ किया गया और 29 अगस्त 2006 का तीनसुकिया असम में समापन किया गया। स्वर्णिम भारत युवा पदयात्रा द्वारा पूरे देश में 30 हजार किलोमीटर का सफर तय किया गया। इसमें पांच लाख ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने भाग लिया। सवा करोड़ लोगों को शांति, प्रेम, एकता, सौहार्द्र, विश्व बंधुत्व, अध्यात्म, व्यसनमुक्ति और राजयोग ध्यान का संदेश दिया गया।

दादी के ही नेतृत्व में 1985 में भारत एकता युवा पदयात्रा निकाली गई। इससे 12550 किलोमीटर की दूरी तय की गई। यात्रा का शुभारंभ तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने किया था। कन्याकुमारी से दिल्ली (3300 किलोमीटर) की सबसे लंबी यात्रा रही। भारी बारिश और तूफान के दौरान भी राजयोगी भाई-बहनों के कदम नहीं रुके और रेगिस्तान, जल, जंगल, पर्वत का लांघते हुए मिशन पूरा किया। 24 अक्टूबर 1985 को दिल्ली में भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। दादी के निर्देशन में करीब 70 हजार किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्राएं निकाली गईं।

1985 में दादी ने की 13 पैदल यात्राएं वर्ष 2006 में निकाली गई युवा पदयात्रा ने लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में जहां नाम दर्ज कराया, वहीं सभी यात्रियों ने 30 हजार किलोमीटर की पैदल यात्रा तय की। दादी ने 13 मेगा पैदल यात्राएं की हैं। अगस्त 1989 में देश के 67 स्थानों पर एकसाथ अखिल भारतीय नैतिक जागृति अभियान चलाया चलाया गया। अभियान में सैकड़ों स्कूल-कॉलेजों, युवा क्लब और सामाजिक सेवा संस्थानों में प्रदर्शनियां, व्याख्यान, सेमिनार और रचनात्मक कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इनमें कई राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया।

डॉक्टरेट की उपाधि 20 फरवरी, 2014 को गुलबर्गा विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह में कुलपति प्रोफेसर ईटी पुट्टैया और रजिस्ट्रार प्रोफेसर चंद्रकांत यतनूर द्वारा राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा। उन्हें यह उपाधि विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं के आध्यात्मिक, नैतिक और सामाजिक सशक्तिकरण में उनके योगदान के लिए प्रदान की गई। इसके अलावा देश-विदेश में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से समय प्रति समय दादी को सम्मानित किया गया है।

फैक्ट फाइल - 25 मार्च 1925 को सिंध हैदराबाद में जन्म। - 13 वर्ष की आयु में 1937 में ब्रह्मा बाबा से मिलीं। - 50 हजार ब्रह्माकुमारी पाठशाला संचालित कीं। - 50 हजार ब्रह्माकुमारी बहनों की हैं नायिका। - 5500 सेवाकेंद्र दादी के मार्गदर्शन में संचालित। - 1956 से 1969 तक मुंबई में दीं सेवाएं। - 1954 जापान में विश्व शांति सम्मेलन में किया संस्थान का प्रतिनिधित्व। - 2006 में युवा पद यात्रा ने लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज किया।

बिहार के वैशाली में ट्रक ने रौंदी कार, बच्ची समेत चार की मौत, तीन घायल

नवगछिया में आयोजित शादी समारोह से लौट रहे थे

पटना बिहार में वैशाली जिले के जंदाहा प्रखंड अंतर्गत महिसौर थाना क्षेत्र के पनसला चौक के निकट आज, मंगलवार की सुबह ट्रक ने कार को रौंद दिया। हादसे में एक बच्ची और तीन महिलाओं की मौत हो गई। जबकि चालक समेत तीन घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सदर अस्पताल भर्ती करा दिया है। पुलिस के मुताबिक बिदुपुर थाना क्षेत्र के देवा चौक पानापुर कुशियारी निवासी क्रांति कुमार, दीनानाथ कुमार, बबीता देवी, चुलबुल कुमारी, मोना देवी कार से सोमवार की सुबह बराटी थाना क्षेत्र के चकललुआ निवासी दीनानाथ कुमार की शादी में शामिल होने नवगछिया गए थे। शादी समारोह संपन्न होने के बाद सभी कार से लौट रहे थे। जैसे ही वह पनसला चौक के पास पहुंचे, तभी ट्रक ने कार को रौंद दिया। हादसे में बबीता देवी पत्नी क्रांति कुमार, 8 वर्षीय पुत्री सोनाक्षी कुमारी एवं मोना देवी पत्नी गणेश राय की मौत हो गई। मोना देवी आंगनबाड़ी सहायिका है। एक महिला की पहचान नहीं हो सकी है। हादसे में दीनानाथ कुमार, क्रांति कुमार और चालक घायल हो गए। महिसौर थाना अध्यक्ष राम निवास ने बताया कि ट्रक और कार की टक्कर में तीन महिला और एक बच्ची की मौत हो गई। घायलों का इलाज हो रहा है, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पंजाब में पूर्वमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कालिया के जालंधर आवास पर ग्रेनेड से हमला

चंडीगढ । पंजाब के पूर्वमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मनोरंजन कालिया के जालंधर आवास पर रात लगभग 10 बजे ग्रेनेड से हमला किया गया। कालिया घर पर ही थे। पूरा परिवार सो रहा था। ड्यूटी पर एक सुरक्षाकर्मी था। बाकी वहीं बैरक पर थे। पूर्वमंत्री कालिया के आवास पर ग्रेनेड हमले की सूचना मिलते ही पंजाब पुलिस में हड़कंप मच गया। आला पुलिस अधिकारी उनके घर पहुंचे।कालिया के आवास और आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज में दिख रहा है कि तीन हमलावर युवक ई-रिक्शा और बाइक से आए। इनमें से एक युवक ने कालिया के घर की तरफ ग्रेनेड फेंका। इससे जोरदार धमाका हुआ।धमाके की आवाज सुनते ही कालिया के सिक्योरिटी इंचार्ज निशान सिंह और अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे। उन्होंने स्थानीय पुलिस को सूचित किया।पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेजसे पता चला है कि हमलावर ई-रिक्शा से आया और बाइक से आए उसके दो साथी कुछ दूरी पर खड़े रहे। आरोपित ने ग्रेनेड फेंकने के बाद थाने की तरफ का रुख किया। एक रेलवे स्टेशन की तरफ भागा और तीसरा शास्त्री मार्केट की तरफ भागा।इस घटना पर कालिया ने कहा कि उन्हें लगा कि घर के बाहर ट्रांसफार्मर में धमाका हुआ है। कुछ मिनट बाद घर से थोड़ी दूर पर स्थित ढाबे पर मौजूद कारिंदे और पुलिस कर्मचारी आए तब पता चला कि ग्रेनेड हमला हुआ है। बाहर जाकर देखा तो घर के शीशे और दरवाजे टूट चुके थे। जालंधर पुलिस आयुक्त धनप्रीत ने कहा कि अधिकारी और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज से अहम सुराग हाथ लगे हैं।आरोपितों की तलाश की जा रही है।

सरसंघचालक डॉ. भागवत पहुंचे लखनऊ

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत मंगलवार प्रात: उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचे। सरसंघचालक पांच दिवसीय काशी प्रांत के प्रवास के बाद लखनऊ आए हैं। काशी से रेलमार्ग से वो लखनऊ पहुंचे। लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन से वो सीधे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के के प्रान्तीय कार्यालय भारती भवन पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर अवध प्रांत के प्रचारक कौशल, विभाग प्रचारक अनिल व प्रांत के विशेष सम्पर्क प्रमुख प्रशान्त भाटिया ने सरसंघचालक की अगवानी की।संघ प्रमुख मोहन भागवत भारती भवन में स्नान, ध्यान व जलपान के बाद लखीमपुर के लिए रवाना होंगे। लखीमपुर जिले में कबीरधाम में पूज्य संत असंग देव महाराज के सत्संग में सरसंघचालक शामिल होंगे। आश्रम में सरसंघचालक भक्त निवास का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद कबीर पंथ से जुड़े प्रमुख संतों से भेंट व सत्संग करेंगे। वो यहां दोपहर का भोजन व विश्राम करेंगे। अपराह्न तीन बजे सरसंघचालक आश्रम में आयोजित सत्संग में पहुंचेंगे और उद्बोधन भी देंगे।

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने वेनेज़ुएलावासियों के निर्वासन पर निचली अदालत के रोक के फैसले को पलटा

वाशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने वेनेजुएला के निर्वासन पर निचली अदालत के रोक के फैसले को पलट दिया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन युद्धकालीन शक्तियों के आधार पर वेनेजुएला के प्रवासियों को निर्वासित करना जारी रख सकता है। शीर्ष अदालत ने निचली अदालत के फैसले पर अस्थाई तौर पर रोक लगा दी। द गार्जियन इंटरनेशनल अखबार की खबर के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कथित आपराधिक गिरोह के सदस्यों को वेनेजुएला निर्वासित करने के लिए 1798 के कानून (एलियन एनिमीज एक्ट-1798) का उपयोग करना जारी रख सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपना फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस कानून को चुनौती टेक्सास में दी जानी चाहिए थी, क्योंकि प्रवासियों को वहीं रखा गया था, न कि वाशिंगटन डीसी में। शीर्ष अदालत के 5-4 के फैसले में, ट्रंप प्रशासन के अनुरोध को स्वीकार कर लिया कि वह वाशिंगटन डीसी स्थित न्यायाधीश के आदेश पर प्रतिबंध लगाए। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर शीर्ष अदालत के फैसले का जश्न मनाया। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, %%सुप्रीम कोर्ट ने हमारे देश में कानून के शासन को बरकरार रखा है। एक राष्ट्रपति को, चाहे वह कोई भी हो, हमारी सीमाओं को सुरक्षित करने और हमारे परिवारों और हमारे देश की रक्षा करने में सक्षम होने की अनुमति देकर। अमेरिका में न्याय के लिए एक महान दिन।%% उल्लेखनीय है कि इस कानून का उपयोग द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी, इतालवी और जर्मन आप्रवासियों को नजरबंद करने के लिए किया गया था। ट्रंप प्रशासन के फैसले को अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ने निचली अदालत में चुनौती दी गई थी। विदेशी शत्रु अधिनियम राष्ट्रपति को ऐसे व्यक्तियों को निर्वासित करने, हिरासत में लेने या उन पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है जिनकी प्राथमिक निष्ठा किसी विदेशी शक्ति के प्रति है और जो युद्ध के समय राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

पाकिस्तान ने बैसाखी त्योहार के लिए 6,500 से अधिक भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने इस साल बैसाखी त्योहार के लिए 6,500 से अधिक भारतीय सिख तीर्थयात्रियों के लिए वीजा जारी किए हैं। भारतीय सिख तीर्थयात्री 10 से 19 अप्रैल तक पाकिस्तान में गुरुद्वारा पंजा साहिब, ननकाना साहिब और करतारपुर साहिब सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों का दौरा करेंगे। एआरवाई न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, तीर्थयात्रा पाकिस्तान के प्रभारी साद अहमद वराइच ने कहा कि नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने 2025 के बैसाखी त्योहार के अवसर पर भारतीय तीर्थयात्रियों को 6,500 से अधिक वीजा जारी किए हैं। इससे धार्मिक सद्भाव और आपस में भाईचारा बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की वीजा नीति का उद्देश्य विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों के बीच सेतु का निर्माण करना है। पाकिस्तान मुल्क में पवित्र स्थलों पर धार्मिक आगंतुकों की तीर्थयात्रा को सुविधाजनक बनाना जारी रखेगा। इससे पहले, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने तीर्थयात्रियों के एक समूह को चकवाल जिले में स्थित पवित्र श्री कटास राज मंदिर की यात्रा के लिए 154 वीजा जारी किए हैं। 24 फरवरी से शुरू यह तीर्थयात्रा 02 मार्च को सम्पन्न हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि धार्मिक तीर्थस्थलों की यात्रा पर 1974 के पाकिस्तान-भारत प्रोटोकॉल के तहत हर साल हजारों भारतीय तीर्थयात्री विभिन्न धार्मिक उत्सवों में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जाते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 ।31-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569